माघ कृष्ण पक्ष-6, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 284 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

31 मार्च 2024 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

29 अधिकतम

17 न्यूनतम

Page- 7

मेगा सियासी संडे

दिल्ली के रामलीला मैदान पर विपक्षी दलों की बड़ी रैली, मप्र में भी 6 खास इलाकों में घमासान

महासमर के लिए इंडिया का मैदानी महाजुटान, मेरठ से पीएम का अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। आज इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के दिग्गजों ने दिल्ली के रामलीला मैदान से केंद्र की भाजपा-मोदी सरकार पर जोरदार हमले शुरू किये हैं। यहां 'लोकतंत्र बचाओ रैली' में कांग्रेस, सपा, आप, राकांपा समेत डेढ दर्जन दलों की भागीदारी है। इसमें राहुल गांधी से लेकर सभी दलों के प्रमुख मौजूद हैं। खास बात यह है कि रैली के मंच पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल व झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना भी मौजूद रहीं। इसमें शरद पवार, महबूबा मुफ्ती कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे से लेकर तेजस्वी यादव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी इस रैली में हैं। सुनीता ने केजरीवाल का संदेश रैली में पढ़ा। इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश का रण जीतने के लिए एनडीए साथियों के साथ बड़ी रैली करने वाले हैं। 15 साल बाद एनडीए का हिस्सा रहे राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी भी उनके साथ मंच साझा करेंगे।

वहीं विपक्ष के इस महाजुटान पर भाजपा ने भी हमला बोला है। प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह 'लोकतंत्र बचाओ' रैली नहीं, बल्कि 'परिवार बचाओ रैली है, इधर कांग्रेस की ओर से ये साफ कर दिया गया है कि रामलीला मैदान की यह रैली लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है, न कि किसी व्यक्ति विशेष को बचाने के लिए की है। वहीं पंजाब के मंत्री और आप नेता बलबीर सिंह ने कहा है कि रामलीला मैदान में ऐतिहासिक रैली है। मोदी सरकार के खिलाफ इससे पहले विपक्षी दलों ने संयुक्त रैली 17 मार्च को मुंबई के शिवाजी पार्क में की थी।

भाजपा बनाए ईडी, सीबीआई, इंकम टैक्स गठबंधन

रैली में शिवसेना प्रमुख उध्दव ठाकरे ने कहा कि भाजपा में यदि हिम्मत है तो वह अन्य 0दलो के बजाऐ ईडी सीबीआई व आयकर विभाग के साथ अपना गठबंधन घोषित कर दे। उन्होंने कल्पना सोरेन व सुनीता केजरीवाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब हमारी दो बहने हिम्मत से लड़ रही हैं तो हम भाई भी इनके पीछे नहीं रहेंगे।

मोदी बोले-भरोसा नहीं किया जा सकता

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच दशक पहले कच्चातिवू द्वीप श्रीलंका को सौंपने के फैसले को लेकर कांग्रेस पर अब निशाना साधा और पार्टी पर देश की अखंडता और हितों को 'कमजोर' करने का आरोप लगाया। मोदी की यह प्रतिक्रिया सूचना के अधिकार रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें खुलासा हुआ है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। मोदी ने आरटीआई रिपोर्ट को 'आंखें खोलने वाली और चौंकाने वाली' बताया और कहा कि 'कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता.'

उप्र में नया समीकरण, ओवेसी से पल्लवी ने हाथ मिलाया!

उप्र में समाजवादी पार्टी के साथ 2022 में गठबंधन करने वाली अपना दल कमेरावादी अलग राजनीतिक धारा खींचती दिख रही है। इसकी नेता पलवी पटेल ने सपा पर हाल में हमला बोला था। ब वह इस मामले को लेकर असदुद्दीन ओवैसी के साथ लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरने की रणनीति तैयार कर रही हैं। दावा है कि आज पल्लवी पटेल और ओवैसी औपचारिक तौर पर उत्तर प्रदेश में नए गठबंधन का ऐलान कर सकते हैं। इससे पल्लवी पटेल पिछड़ा और असदुद्दीन ओवैसी दलित वोट बैंक को एक पाल में लाने की कोशिश करेंगे। यह विपक्षी गठबंधन के वोट बैंक पर बड़ा असर डाल सकता है।

आदिवासी इलाकों में प्रचार को निकले सीएम यादव

इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उमरिया, डिंडोरी, मंडला एवं सिवनी चुनाव प्रचार पर निकले हैं। वे यहां भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में करेंगे रोड शो, जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। यादव ने उमरिया में कार्यकर्ताओं से भेंट की व फिर मंडला लोकसभा की डिंडोरी विधानसभा में जनसभा को संबोधित किया। वे बिछिया विधानसभा के मवई में भी सभा के बाद लखनादौन में रोड शो करेंगे व शाम को भोपाल लौटेंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं का पार्टी छोड़कर भाजपा में आने का सिलसिला जारी है। वहीं अब इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भाजपा की कार्यप्रणाली की तारीफ की है। एक समाचार एजेंसी से यादव ने कहा कि 'भाजपा में कांग्रेस पार्टी की बड़ी संख्या में लोग आकर सुकून महसूस करते हैं, राजनीतिक दृष्टि से काम करने के लिए एक सकारात्मक तरीके से कार्य करने की प्रणाली सभी को आकर्षित करती है।'

इधर दिग्विजय फिर पदयात्रा पर

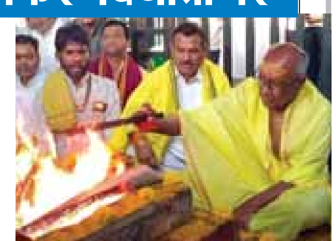

पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिग्विजय सिंह ने आज शक्तिपीठ बगुलामुखी मंदिर से हवन पूजा अर्चना के बाद अपने संसदीय क्षेत्र राजगढ में पदयात्रा की शुरूआत की। वे यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस छोड भाजपा में जाने वाले नेताओं के लिए कहा, 'राजनीति विचारधारा की ल?ाई होती है। जो छो?कर जा रहे हैं, उन्हें धंधा करना है, दलाली करनी है। वे अकेले जा रहे हैं, जनता उनके साथ नहीं जा रही।' इसके बाद शुरू की गई 'वादा निभाओ' पदयात्रा के तहत वे ाजगढ लोकसभा क्षेत्र की आठों विधानसभाओं में जनता से संवाद करेंगे। वह हर दिन करीब 20 किलोमीटर पैदल यात्रा करेंगे। सुसनेर से शुरू इस पदयात्रा का समापन 7 अप्रैल को खुद के गृह विधानसभा क्षेत्र के राघोगढ़ में होगा।

पहाड़ों पर पहला हिमपात मैदानों में दो तरह की गर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में तेजी से बढती उमस, गर्मी और चुनावी थपेडों के बीच हिमाचल व जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में बीती शाम व तड़के जमकर बारिश और बर्फबारी की खबरें ठंडक दे रही हैं। हिमाचल में करीब 10,000 फुट की ऊंचाई पर स्थिति अटल टनल के आसपास भी हिमपात हुआ है। बारिश और बर्फबारी से खराब हुए मौसम के चलते हिमाचल में 172 सड़कों पर यातायात बंद हो गया है। पंजाब और हरियाणा के भी विभिन्न इलाकों में आंधी-तूफान और गरज के साथ बारिश हुई है, हालांकि इससे गेहूं की फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक, अभी मौसम के मिजाज में यह बदलाव दो से तीन दिनों तक बना रहेगा। कुछ इलाकों में इसकी तीव्रता आज शाम से कम हो जाएगी। गुलमर्ग-पहलगाम में भारी बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम समेत कई इलाकों में भारी पहली बर्फबारी के साथ बारिश हुई है। इससे गर्मी से राहत मिली है। प्रमुख स्कि रिसॉर्ट गुलमर्ग में जमकर बर्फबारी हुई। जबकि दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम और उत्तरी कश्मीर के गुरेज में भी हिमपात हुआ। इन इलाकों में तीन इंच तक हिमपात दर्ज किया गया है।

आरोप: कुछ लोगों को बचाने मुख्तार को रास्ते से हटाया

गाजीपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की मऊ विधानसभा से पूर्व विधायक और गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को सुपुर्द-ए-खाक किया जा चुका है लेकिन मुख्तार के भाई सांसद अफजाल अंसारी ने भी कुछ चौंकाने वाले दावे फिर किए हैं कि मुख्तार की मौत जेल में दिए गए जहर की वजह हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्तार अंसारी को मारकर रास्ते से हटाया गया है। सही वक्त आने पर हम इस बात का पुख्ता सुबूत देंगे कि मुख्तार को जेल में जहर देकर मारा गया। कुछ अपराधियों को बचाने के लिए पूरी सरकार और उसकी मशीनरी ने बहुत बड़ी साजिश रची है। अफजाल ने कहा कि उन्हें कोई शर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि 26 मार्च को मुख्तार को बांदा जेल से मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, जब हम अस्पताल पहुंचे तो हमें बड़ी मुश्किल से सिर्फ 5 मिनट के लिए मिलने दिया गया। इस दौरान मुख्तार ने कहा कि उनको जहर दिया गया था और इस वजह से वह बेहोश हो गए थे। उल्लेखनीय है कि बीती शाम मुख्तार का अंतिम संस्कार के वक्त गाजीपुर की डीएम आर्यका अखोरी से अफजाल की तीखी बहस भी हुई थी। कब्रिस्तान में अंदर जाने वाले लोगों पर प्रशासन के एतराज से अफजाल बेहद गुस्से में नजर आए थे।

राष्ट्रपति ने आडवाणी के घर पहुंचकर दिया भारत रत्न

नई दिल्ली एजेंसी। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और दिग्गज भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को आज 'भारत रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आडवाणी के घर जाकर उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। इस दौरान उपराष्टपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। तबियत ठीक नहीं होने की वजह से आडवाणी शनिवार को राष्टपति भवन में आयोजित किए गए अलंकरण समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। राष्टपति ने कल ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को मरणोपरांत इस सम्मान से सम्मानित किया था।

पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा की स्थिति में सुधार

ग्वालियर मप्र के पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता अनूप मिश्रा की बीती रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अब हालत में सुधार है। ग्वालियर व्यापार मेला परिसर स्थित गार्डन में भाजपा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मिश्रा को घबराहट और चक्कर की समस्या के चलते आनन-फानन में आकाशवाणी तिराहे स्थित निजी अस्पताल में ले जाया गया था। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर उनके साथ रहे। डॉक्टर डॉक्टर ने बताया कि उनका बीपी और ईसीजी नॉर्मल है।

मेट्रो एंकर

दोनों बेटों ने मिलकर पिता की डूबती नैया को उबारा

पावर ने बढ़ाई अनिल की ताकत..कारोबार में कमबैक

मुंबई, एजेंसी। वक्त की चाल और मिजाज का कोई अंदाजा नहीं होता, एक समय था जब उद्योगपतिअनिल अंबानी अपने बड़े भाई मुकेश अंबानी से ज्यादा अमीर थे। 06 में पिता धीरूभाई अंबानी के कारोबारी साम्राज्य के बंटवारे के एक साल बाद अनिल की संपत्ति 550 करोड़ रुपये आंकी गई थी, जो तब बड़े भाई से ज्यादा थी। आज 110 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर हैं और अनिल अंबानी की गिनती कहीं नहीं रही, बल्कि वे दिवालियापन जैसी हालत से गुजर रहे हैं। मगर अब अनिल का वक्त पलट रहा है। उनके बेटे जय अनमोल अंबानी और जय अंशुल अंबानी दिवालिया पिता का कारोबार संभालने में लगे हुए हैं।

इस वक्त दोनों ही बेटे खोया हुआ रुतबा पाने के कोशिश में जुटे हैं। और लगता है कि दोनों बेटे व पिता की मेहनत रंग ला रही है। रिलायंस कैपिटल को जापान की निप्पॉन का निवेश भी मिल गया है। कंपनियों के शेयर में तेजी आ रही है वहीं रिलायंस पावर के शेयर ही करीब तीस फीसद तक चढ़ गए हैं। इसका सीधा असर उनकी आमदनी और नेटवर्थ दोनों पर देखा जा रहा है। अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर निवेशकों को जमकर फायदा दे रही है। कंपनी की तरफ से बैंकों का कर्ज भी लगभग चुका दिया गया है।लिहाजा निवेशको का भरोसा कमबैक प्लान पर बढ़ा है। अनिल की कंपनी के मार्केट कैप बढ़कर 10,759 करोड़ रुपये हो गया है।

अनमोल रत्न की उपाधि मिली

अनिल के दोनों बेटे लायक साबित हो रहे हैं। मीडिया ने दोनों को अनमोल रत्न कहना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि बिजनेस को अनमोल ने अपने दम पर खड़ा किया है और वह लाइमलाइट से दूर रहकर चुपचाप अपना काम करते हैं। अनमोल ने 18 साल की उम्र मेंरिलायंस म्यूचुअल फंड से करियर की शुरुआत बतौर इंटर्न की थी। 2014 में वह कंपनी से जुड़े थे। इसके बाद वह रिलायंस निपॉन एसेट मैनेजमेंट और रिलायंस होम फाइनेंस में बोर्ड मेंबर बन गए, उधर दूसरी तरफ पिता अनिल पर कर्ज बढ़ रहा था। फिर अनमोल ने ग्रुप की कमान संभाली और जापानी कंपनी निपॉन को रिलायंस में हिस्सेदारी बढ़ाने के मना लिया। उनके इस फैसले से उनके बिजनेस की नेटवर्थ बढ़कर 2000 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के पास रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस पावर, रिलायंस डिफेंस और इंजीनियरिंग लिमिटेड का कारोबार है।

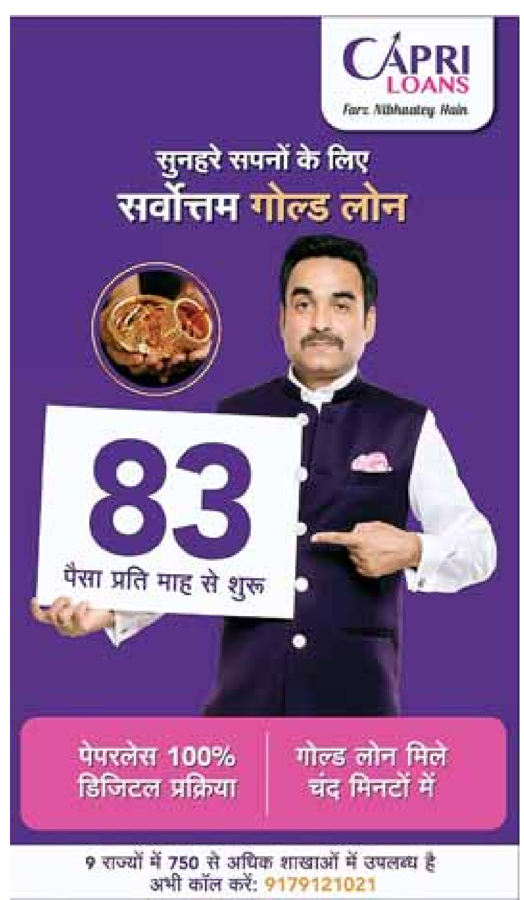

भोपाल में मतदाता जागरूकता के लिए निकाली वाहन रैली, 2500 से ज्यादा लोग शामिल

भोपाल। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच निर्वाचन आयोग शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने और मतदाताओं को जागरूक करने की मुहिम चला रहा है। इसी सिलसिले में रविवार को शहर में दोपहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से प्रातः 7.30 बजे लालघाटी क्षेत्र से शुरू हुई यह रैली वीआइपी रोड,जहांगीराबाद होते हुए शौर्य स्मारक पहुंचकर संपन्न हुई। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से प्रातः 7.30 बजे भोपाल के लालघाटी क्षेत्र से प्रारंभ यह रैली वीआईपी रोड,जहांगीराबाद होते हुए शौर्य स्मारक में सम्पन्न हुई। विभिन्न बाइकर्स ग्रुप के सदस्यों सहित 2500 से अधिक नागरिकों ने रैली में सम्मिलित होकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। मप्र के मुख्य निर्माचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने हरी झंडी दिखाकर वाहन रैली को रवाना किया। विभिन्न बाइकर्स ग्रुपके सदस्यों सहित 2500 से अधिक नागरिकों ने रैली में सम्मिलित होकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर भोपाल कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप ऋतुराज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी से मतदान करने की अपील की

लालघाटी चौराहे पर रैली को रवाना करने से पहले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि इस वाहन रैली के माध्यम से सभी मतदाताओं को यह संदेश देना चाहते हैं कि मतदान अवश्य करें। खुद मतदान करने के साथ-साथ अपने आसपास के दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मतदान करना अधिकार ही नहीं आपकी जिम्मेदारी भी है। हम सबको वोट करना चाहिए। भोपाल में सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा।

आरजीपी में हुए एफडी घोटाला मामले में सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग

देर रात एबीवीपी कार्यकर्ता थाने में डटे, बोले-आरोपी बाहर रहकर मिटा रहे सबूत

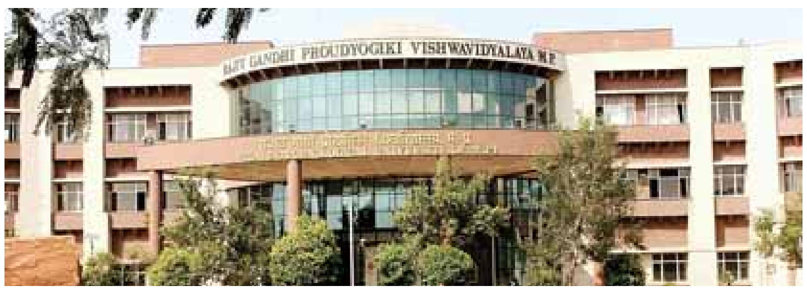

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में हुए एफडी घोटाला के मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। कुछ को छोड़कर मामले में बनाए गए सभी आरोपित फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। ऐसे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकर्ता इनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार देर रात अचानक एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने भोपाल के गांधी नगर थाने का घेराव कर दिया। कार्यकर्ता यहां धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की।

दरअसल, पूर्व कुलसचिव आरएस राजपूत के ड्राइवर को पुलिस ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। रात को कार्यकर्ता गांधी नगर थाने में एकत्रित होकर धरने पर बैठ गए और सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तारी करने की मांग करने लगे। कार्यकर्ताओं का कहना है कि आरोपित बाहर रहकर साक्ष्यों को मिटा रहे हैं और जांच को प्रभावित कर रहे हैं, इसलिए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाए। धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक सभी आरोपितों को पकड़ा नहीं जाएगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

किया था आरजीपीवी परिसर में प्रदर्शन

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने इसके पहले पूर्व प्रभारी कुलसचिव डॉ. सुरेश सिंह कुशवाह के खिलाफ भ्रष्टाचार एवं आर्थिक अनियमितताओं को लेकर करीब डेढ़ घंटे तक आरजीपीवी परिसर में प्रदर्शन किया था। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति प्रो. रूपम गुप्ता के केबिन में घुसकर हंगामा किया और ज्ञापन देकर जांच की मांग की थी।

फीस नियमों में बदलाव के विरोध में धरने पर बैठे विद्यार्थी

पुलिस ने हटाने का प्रयास किया, हुई बहस, दो घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने प्रवेश के बाद फीस नियमों में बदलाव करने का आरोप लगाते हुए राजधानी के सागर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने विद्यार्थियों हटाने का प्रयास किया, जिस पर बहस भी हुई। इसके बाद करीब दो घंटे तक विद्यार्थियों का जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। एबीवीपी कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने इस दौरान कॉलेज प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर जल्द समस्याओं के निराकरण की बात कही। समस्या के निराकरण नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

यह है पूरा मामला

विद्यार्थियों का कहना है कि प्रवेश के पहले छात्रों को एक फीस स्ट्रक्चर बताया जाता है, जिसमें हर साल की फीस लिखी होती है, वहीं उसमें स्कॉलरशिप फीस के बारे हमें बताया जाता है कि वह फीस आपको सेकेंड ईयर में नहीं देनी होगी, बाद में जब छात्र एक साल पड़कर सेकेंड ईयर में प्रवेश लेता है तब प्रबंधन कहता है कि स्कौलरशिप फीस पहले देनी होगी, जिसके चलते हजारों की संख्या में छात्र परेशान हो रहे हैं।

स्कूलों के लिए अप्रैल माह का अकादमिक कैलेंडर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। सरकारी स्कूलों में एक अप्रैल से शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने सत्र 2024-25 के लिए अप्रैल माह का अकादमिक कैलेंडर जारी किया है। जिसके अनुसार, एक माह तक पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। इसमें मिट्टी के खिलौने तैयार करना, खेल गीत और स्थानीय खेलों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। 15 अप्रैल तक दूसरी, तीसरी, चैथी व पांचवीं कक्षा के बच्चों को अभ्यास पुस्तिका का वितरण किया जाएगा। अप्रैल के पहले 20 दिन लर्न आफ फन के तहत विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा दी जाएगी। इसके बाद 20 जून के बाद से नई कक्षा की पढ़ाई शुरू होगी।

जहांनुमा के मालिक की खुदकुशी का मामला

शर्मिला भी पहुंची नादिर को श्रद्धांजलि देने, पुलिस नहीं ले पा रही बयान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की मशहूर होटल जहांनुमा पैलेस के मालिक नादिर राशिद द्वारा खुदकुशी करने के बाद पुलिस जांच में जुटी है। इसी सिलसिले में श्यामला हिल्स थाना पुलिस शनिवार को नाजिर राशिद की पत्नी सोनिया राशिद के बयान लेने के लिए एक बार फिर श्यामला कोठी पर पहुंची। उधर नादिर राशिद की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए फिल्म अभिनेत्री और नवाब खानदान की बहू शर्मिला टैगोर भी भोपाल पहुंचीं। दिवंगत नादिर राशिद की प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में शहर के नागरिक एवं उनके मित्र पहुंचे थे। उसमें परिवार की व्यस्तता को देखते हुए पुलिस ने बयान दर्ज करने की कार्रवाई को स्थगित कर दिया और वापस लौट गई।

इस मौके पर फिल्म अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने नादिर राशिद को याद करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की व नादिर के स्वजन को ढांढस बंधाया। बीते दिनों जहांनुमा पैलेस होटल के मालिक नादिर राशिद ने अपनी लाइसेंसी राइफल से घर के बाथरूम में गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी।

नए डायल-100 वाहनों के संचालन में होगी तीन माह की देरी

आदर्श आचार संहिता में अटकी टेंडर प्रक्रिया, अब जून के बाद होगी शुरू

भोपाल। प्रदेश में नए डायल-100 वाहनों के संचालन में अब लगभग तीन माह और देरी होगी। कंपनी का चयन होने में लगभग चार माह लगेंगे। इस तरह वर्ष के अंत तक ही नए डायल-100 वाहनों की सुविधा मिल पाएगी। नई कंपनी आने के बाद वाहनों की संख्या चरणबद्ध तरीके से एक हजार से बढ़कर दो हजार हो जाएगी। अन्य सुविधाएं भी बढ़ेंगी। दरअसल, पुलिस मुख्यालय ने वाहनों के संचालन के लिए एक कंपनी का चयन कर अनुमति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था। दो माह तक शासन स्तर पर अनुमति नहीं मिली। बाद में पूरी टेंडर प्रक्रिया निरस्त कर दी गई। दोबारा टेंडर जारी होने के पहले ही आदर्श आचार संहिता लग गई, जो छह जून तक प्रभावी रहेगी। ऐसे में यह देरी होगी।

कॉरिडोर हटने के बाद भी हो रही है दुर्घटनाएं

हिरदाराम नगर। समाजसेवी कमलेश देवानी ने एक बयान में कॉरिडोर हटने के बाद भी हो रहे सड़क हादसों पर चिंता जताई है। देवानी ने कहा है कि संतनगर में कारिडोर होने की वजह से सड़क हादसे हो रहे थे। कॉरिडोर हटने के बाद भी एक्सीडेंटहो रहे हैं। दो और चार पहिया वाहनों यातायात नियमों का पालन नहीं करते। 3-4 दुर्घटनाएं 15 दिन के अंदर हो चुकी हैं। रविवार के दिन संतनगर में वाहनों की संख्या तीन गुना तक बढ़ जाती है, लेकिन यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस सख्त कार्रवाई नहीं करती।

मेट्रो एंकर

संतनगर में हुरियारों उड़ाया रंग-गुलाल

हरि चेतन में फूलों संग होली आशाराम आश्रम में पलाश का रंग

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

रंगपंचमी पर जहां संतनगर में हुरियारों ने होली खेली। वह आसपास के आश्रमों पर फूलों से होली और पलाश के रंग से होली खेली गई। पर्व के चलते समूचे संतनगर बाजार में कारोबारी गतिविधियां बंद रहीं।

ग्राम कोलूखेड़ी के हरि चेतन आश्रम रंग पंचमी पर मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्संग, भजन और फूलों संग रंग खेला गया। नरेश पारदासानी ने सत्संग सभा में कहा कि मनुष्य जीवन में सुख हो या दुःख हो हमें हमेशा प्रभु को याद रखना चाहिए,अच्छे कर्म करने चाहिए। यहां स्कॉन मंदिर भोपाल से आए संतों ने भक्ति रस से सराबोर किया। कार्यक्रम में सिंधी समाज की विभिन्न व्यापारिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं एवं विशिष्ठजनों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम पूज्य सिंधी पंचायत के साबू रीझवानी, शिक्षाविद विष्णु गेहानी, शिवपुराण कथा वाचक मुकेश महाराज, मप्र आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष सुशील वासवानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के चन्द्रप्रकाश इसरानी, समाजसेवी वासदेव वाधवानी, मनोहर विधानी, हीरो इसरानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पलाश के रंग से खेला रंग

संत आशाराम बापू आश्रम में रंगों का त्योहार रंगपंचमी वैदिक तरीके से मनाया गया। आशाराम बापू द्वारा कई वर्ष पूर्व पलाश के फूलों से रंग बनाकर होली खेलने की परंपरा प्रारंभ की गई थी। बापू के भक्त देश भर में पलाश के रंगों से ही होली खेलते हैं। गांधीनगर स्थित आशाराम आश्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने पलाश के रंग से रंग खेला। एक-दूसरे के ऊपर पलाश का रंग डाला और भजनों पर नृत्य किया। कार्यक्रम में बापू के भक्तों के अलावा आसपास के लोग भी सम्मिलित हुए।

एलवीएस ग्रुप का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

हिरदाराम नगर। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, एल.वी.एस प्ले ग्रुप स्कूल एवं वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूलों का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया। संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी एवं विद्यालय के प्राचार्य ने अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। संस्था द्वारा सभी अभिभावकों को विद्यालय की गर्मियों की छुट्टी में बच्चों के लिए बाल मेले का आयोजन किया गया है, इसकी जानकारी दी गई।

सबसे कम उम्र की हिमाद्री तो सबसे शिक्षित नकुल

पहले चरण के सभी मुकाबले 'अपेक्षाकृत युवा' नेताओं के बीच

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में पहले चरण में जिन छह सीटों पर मुकाबला होने वाला है। उनमें भाजपा-कांग्रेस के उम्मीदवारों में सबसे कम आयु शहडोल से भाजपा प्रत्याशी 37 वर्ष की हिमाद्री सिंह की है। जबकि सर्वाधिक उम्र के सीधी से भाजपा प्रत्याशी राजेश मिश्रा 66 वर्ष के हैं। वहीं शिक्षा की बात करें तो नकुलनाथ विदेश से शिक्षित हैं। पहले चरण की सीटों में कांग्रेस के सबसे अधिक उम्र के प्रत्याशी जबलपुर से दिनेश यादव 59 वर्ष और इसके बाद शहडोल प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को हैं। तीन की उम्र 49 वर्ष हैं। हालांकि इन्हीं सीटों पर नहीं बल्कि कांग्रेस ने इस बार अधिकांश नए चेहरों और युवाओं को चुनावी मैदान में उतारा है। पहले चरण के दोनों दलों के उम्मीदवारों शिक्षा की बात करें तो नकुलनाथ के पास बोस्टन (अमेरिका) से एमबीए की डिग्री है तो कोई सिर्फ मैट्रिक पास है। फग्गन सिंह कुलस्ते एमए, एलएलबी हैं तो उनके प्रतिद्वंद्वी ओमकार सिंह मरकाम के पास एमए की डिग्री है।

खास बात यह है कि सीधी, छिंदवाड़ा और मंडला सीटों पर प्रत्याशी भले ही अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के हैं पर कोई भी बाहरी नहीं है। इन छह सीटों पर ही नहीं, बल्कि भाजपा ने सभी 29 और कांग्रेस ने अब तक घोषित 25 सीटों पर स्थानीय उम्मीदवारों पर ही भरोसा जताया है। कांग्रेस ने खजुराहो छोड़कर बाकी तीन और सीटों पर उम्मीदवार अभी घोषित नहीं किए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भोपाल से दिग्विजय सिंह को उतारा था। उधर, भाजपा भी ऐसे प्रयोग करती रही है, पर इस बार दोनों दलों ने परहेज किया है।

चुनाव का दौर होली मिलन का जोर...

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया के बीच होली व रंगपंचमी के बहाने राजनीतिक दलों के नेता जनता के बीच फाग भी गा रहे हैं और नृत्य भी कर रहे हैं। छिंदवाडा में कांग्रेस सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रिया ने महिलाओं के बीच रंगपंमची पर नृत्य किया तो रायसेन के सांची विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेता उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने पूरी मस्ती में फाग गाया।

अब छिंदवाड़ा, जबलपुर समेत 6 लोकसभा सीटों पर 88 उम्मीदवार

19 ने नाम वापस लिए, दूसरे चरण के लिए 8 ने भरे नामांकन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश की छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, सीधी, शहडोल और बालाघाट लोकसभा सीट पर 88 प्रत्याशी मैदान में है। इन्हीं के बीच मुकाबला होगा। इनमें से भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच कड़ी टक्कर के आसार है। इन सीटों पर 19 अप्रैल को वोट पड़ेंगे, यहां से चुनाव लड़ने के लिए 100 से अधिक प्रत्याशियों ने फार्म भरे थे लेकिन अंतिम दिन 30 मार्च को कुछ ने नाम वापस ले लिए हैं। इधर दूसरे चरण के तहत जिन सीटों पर चुनाव होने हैं उन सीटों के लिए अब तक 8 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि 30 मार्च को नाम निर्देशन पत्रों की वापसी उपरांत अब लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 17, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-12 शहडोल (अजजा) में 10, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-13 जबलपुर में 19, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-14 मंडला (अजजा) में 14, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-15 बालाघाट में 13 एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इन अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक https://affidavit.eci.gov.in/ पर देखी जा सकती हैं।

यहां से इतने अभ्यर्थियों ने नामांकन वापस लिए

उल्लेखनीय है कि संसदीय क्षेत्र सीधी में 3, जबलपुर में 2, मंडला में 2, बालाघाट में 4 और छिंदवाड़ा में 8 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र वापस लिये हैं।

दूसरे चरण के लिए 24 को डलेंगे वोट

प्रदेश में दूसर चरण के तहत टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद और बैतूल लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इन सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन भरे जाने लगे हैं। पहले दिन शुक्रवार को 1 और शनिवार को 7 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। इस तरह कुल 8 अभ्यर्थी 8 नामांकन जमा कर चुके हैं। 5 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की जांच की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र भर चुके प्रत्याशी 8 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। सभी चरणों में पड़े वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

चुनावी छोटी-बड़ी खबरें

मतदान दल ही पहली ट्रेनिंग कल से शुरू होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मतदान दल की पहली ट्रेनिंग 1 से 6 अप्रैल तक होगी। इसके लिए शहर में सात प्रशिक्षण केंद्र बनाए हैं। यहां सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक ट्रेनिंग होगी। ट्रेनिंग के लिए लगभग 80 मास्टर ट्रेनर तय किए हैं। यह प्रशिक्षण मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, भोपाल, बीएसएस कॉलेज भोपाल, रवीन्द्र भवन पुराना सभाग्रह भोपाल, संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गोविंदपुरा भोपाल, सभागार राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान, वैशाली नगर–भोपाल एवं समन्वय भवन (अपेक्स बैंक), टीटी नगर भोपाल केन्द्रों में होगी।

नहीं कर सकेंगे 10 हजार से ज्यादा का नकद भुगतान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी चुनावी खर्च की किसी भी मद में किसी भी व्यक्ति या इकाई को दस हजार रुपए से अधिक का नकद भुगतान नहीं कर सकेंगे। आयोग के निर्देशों के अनुसार उम्मीदवार को दस हजार से ज्यादा की राशि का भुगतान चेक, ड्राफ्ट, आरटीजीएस या एनईएफटी से ही करना होगा। चुनाव आयोग ने ये निर्देश आयकर अधिनियम की धारा 40ए (3) में एक अप्रेल 2017 को हुए संशोधन के मद्देनजर जारी किया है।

सोशल साइट पर नजर रखेगा आयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्यस्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपम राजन ने अभ्यर्थियों की ओर से फेसबुक और इंस्टाग्राम मे किए जा रहे प्रचार के व्यय की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया में किये जा रहे प्रचार में मॉनिटरिंग की विस्तार से जानकारी ली।

केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन एक से 15 अप्रैल तक, बाल वाटिका में होंगे प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 1 अप्रेल से शुरू हो जाएगी। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

पहली कक्षा में प्रवेश के लिए एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे। वहीं दूसरी कक्षा एवं इसके ऊपर के कक्षाओं (11वीं के अलावा) में प्रवेश रिक्तियों के आधार पर ऑनलाइन माध्यम से होंगे। एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक सीटें खाली रहने पर आवेदन किए जाएंगे। इनकी सूची 15 अप्रैल तक जारी की जाएगी। इन कक्षाओं में प्रवेश 29 अप्रैल तक होंगे। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालयों (केवी) के प्री-प्राइमरी कक्षाएं (बाल वाटिका) में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन शुरू किए जाएंगे। यह आवेदन भी एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक किए जा सकेंगे। सभी पंजीकृत विद्यार्थियों की चयनित सूची 19 अप्रैल को जारी की जाएगी। अगर सीटें खाली होंगी तो दूसरी सूची 29 अप्रैल को और तीसरी सूची आठ मई को जारी होगी।

बाल वाटिका के लिए 19 अप्रैल चयनित सूची आएगी: बाल वाटिका कक्षाओं के प्रवेश की अंतिम तिथि 29 जून है। सभी पंजीकृत बच्चों की सूची, प्रवेश व योग्य बच्चों की सूची, प्रवेश के लिए अंतिम चयनित बच्चों की श्रेणी वार सूची, प्रतीक्षा सूची संबंधित केंद्रीय विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के साथ-साथ स्कूल के वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी।

20 मार्च से प्रदेश भर में शुरू हो चुकी है खरीदी

लेटलतीफी: गेहूं खरीदी शुरू, लेकिन किसानों के भुगतान में देरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में गेहूं खरीदी शुरू हो गई है लेकिन किसानों को भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अधिकारी इसी वजह होली के चलते लगी छुट्टियों को बता रहे हैं तो उधर किसानों की मुश्किलें बढ़ रही है। विवाह आदि का सीजन शुरू होने वाला है, उसके पहले किसानों को खरीदारी करनी है लेकिन अब तक उनके द्वारा बेचे गए का भुगतान नहीं मिला है। कमोवेश यह हाल प्रदेश के लगभग हर केंद्रों का है। किसानों को अधिकारी जल्दी भुगतान की तसल्ली दे रहे हैं। वैसे तो 7 से 15 दिन में भुगतान किए जाने के नियम है। जिन जिलों में 15 मार्च से खरीदी शुरू हुई थी उन्हें गेहूं बेचे 15 दिन का समय हो चुका है लेकिन भुगतान नहीं मिला है। प्रदेश के सभी जिलों में 20 मार्च से गेहूं खरीदी शुरू हुई है जो मई तक चलेगी। अप्रैल में सबसे अधिक गेहूं खरीदी का लक्ष्य है।

इधर, कई केंद्रों पर खरीदी ही शुरू नहीं

प्रदेश के कई केंद्र ऐसे भी है जिन पर अब तक खरीदी शुरू नहीं हुई है। ये ऐसे केंद्र है जिन्हें देरी से अनुमति मिली थी। अनुमति मिलने के बाद खरीदी के इंतजाम जुटाने में देरी हुई। दूसरी वजह मौसम का खराब होना भी है। बीते एक सप्ताह से मौसम खराब चल रहा है। हाल ही में प्रदेश के कुछ हिस्सो में बूंदाबांदी भी हुई है। किसानों को इस बात का भय है कि उपज बेचने निकले तो कहीं बारिश न पकड़ ले। यदि बारिश हुई तो गेहूं गीला हो जाएगा और बेचने योग्य नहीं बचेगा। परिवहन का किराया भी नहीं निकलेगा। इस भय के कारण से भी किसान केंद्रों तक नहीं पहुंच पाए थे।

विद्यार्थियों का डाटा सेल्सफोर्स पर होगा अपलोड, दुनियाभर में नौकरी मिल सकेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सेल्सफोर्स अर्थव्यवस्था में 1.3 मिलियन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों तक विद्यार्थियों को पहुंचाने के लिए एलिवेट 2022 में मप्र को शामिल किया गया है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने उक्त कार्यक्रम को दो स्तर पर तैयार किया है। इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक के सभी ब्रांच के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। इंजीनियरिंग के तीसरे और चौथे वर्ष के 70 हजार और पॉलिटेक्निक के दूसरे और तीसरे वर्ष के तीस हजार विद्यार्थियों का डाटा सेल्सफोर्स पर अपलोड किया जा रहा है। डिग्री और डिप्लोमा पूर्ण होने के बाद उन्हें दुनियाभर में नौकरी मिल सकेगी और नौकरी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डिग्री और डिप्लोमा मिलने के बाद यूएसए, यूके, आस्टेलिया सहित दुनिया के देशों में उन्हें सवा करोड़ नौकरियों के ऑफर दिए जाएंगे। डाटा अपलोड होने के बाद इसका लाभ प्रदेश के 142 इंजीनियरिंग कालेज और 132 पॉलिटेक्निक में प्रवेशरत एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को होगा।

हरदा फटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में दो निलंबित, श्रम विभाग ने की कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हरदा फटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट मामले में श्रम विभाग ने दो को निलंबित किया है। इसमें भोपाल संभाग के औद्योगिक स्वास्थ एवं सुरक्षा के उप संचालक अजय पाल सिंह और हरदा श्रम निरीक्षक महेंद्र सिंह ठाकुर शामिल है। दोनों को 27 मार्च को निलंबित किया है जबकि धमाके 6 फरवरी को हुए थे। हादसे में कुछ मजदूरों की मौत हुई थी तो कई घायल हुए थे। इसके पहले कारखाना निरीक्षक एवं सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बीना को भी निलंबित किया जा चुका है। इधर औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सतना की उप संचालक नमिता तिवारी को औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मप्र का अतिरिक्त प्रभार दिया है।

मेट्रो एंकर | राजधानी के कई जिलों में मूल्यांकन कार्य जारी

कल से शुरू हो रहा है नया शैक्षणिक सत्र, लेकिन शिक्षक अभी भी जांच रहें कॉपियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के एक हजार से अधिक सरकारी स्कूल हैं। जिनमें करीब 4 हजार शिक्षक हैं। कल से यानी एक अप्रैल से शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जाना है। बच्चों और उनके अभिभावकों को बुलाया जा रहा है। इसके अलावा कई आयोजन भी होने है। इसकी जिम्मेदारी भी शिक्षकों को ही दी गई है। राजधानी सहित प्रदेश के सरकारी स्कूल कल से खोले जाने हैं इसके लिए निर्देश जारी हो चुके हैं लेकिन कई स्कूलों के शिक्षण मूल्यांकन में हैं तो कुछ की ड्यूटी निवार्चन कार्य में लगी है। ऐसे में शिक्षकों की कमी के बीच एक अप्रैल से शहर के स्कूल खुलेंगे। इसके अलावा कक्षा पांचवीं और आठवीं की उत्तरपुस्तिकाओं की भी जांच हो रही है। शिक्षकों के मुताबिक अप्रेल से निर्वाचन कार्यों की ट्रेनिंग भी शुरू होगी। ऐसे में बीएलओ बनाए गए शिक्षकों को इन कार्यक्रमों में जाना होगा। वे स्कूल नहीं जा सकेंगे। बता दें शहर में चार केन्द्र बने हैं। यहां भी करीब 800 शिक्षक लगे हैं। कॉपियों की जांच कर रहे कुछ शिक्षकों के मुताबिक मूल्यांकन काम एक अप्रेल से पहले पूरा होना मुश्किल है। शिक्षकों के मुताबिक ऐसे में अब वे स्कूल खुलने की तैयारी कराएं या मूल्यांकन पूरा करें। राजधानी में बोर्ड परीक्षा का मूल्यांकन चल रहा है। टीटी नगर स्थिति मॉडल स्कूल में सेंटर में है। करीब डेढ़ हजार शिक्षकों की इसमें ड्यूटी लगाई गई है। मूल्यांकन का काम जारी है। करीब बीस फीसदी कॉपियों की जांच होना अभी बाकी है।

एक अप्रैल से पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी । इसमें मिट्टी के खिलौने तैयार करना, खेल गीत और स्थानीय खेलों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने सत्र 2024-25 के लिए अप्रैल माह का अकादमिक कैलेंडर जारी किया है। इसमें 15 अप्रैल तक दूसरी, तीसरी, चौथी व पांचवीं कक्षा के बच्चों को अभ्यास पुस्तिका का वितरण किया जाएगा, ताकि ग्रीष्मावकाश में इस पुस्तिका पर कार्य कर सकें।

एक मिथक के बहाने

क्या हाथियों के भी कब्रिस्तान होते हैं, अवशेषों से शोधकर्ता भी असमंजस में

■ लूसी ए बेट्स/लियाने प्रूप्स

क्या हाथियों के भी कब्रिस्तान होते हैं? विश्व की कुछ संस्कृतियों में ऐसे लोकप्रिय मिथक जरूर मिलते हैं, लेकिन इनके प्रमाण अब तक नहीं मिले थे। लेकिन हाल ही में एशियाई हाथियों की एक कब्रगाह के पुरावशेषों ने पुरानी बहस को फिर जन्म दिया है कि क्या हाथियों को भी दफनाया जाता था? जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा में प्रकाशित शोध में दो वैज्ञानिकों ने इससे जुड़े पांच उदाहरणों का जिक्र किया है। भारत में बंगाल का वह क्षेत्र, जहां चाय के बागान मिलते हैं, वहां काफी गहराई में छोटे हाथियों की एक कब्र मिली है। खास बात है कि यहां मिले अवशेषों में हाथी के चारों पैर ऊपर की ओर हैं। यह देखकर शोधकर्ता भी असमंजस में हैं। हालांकि उनका कहना है कि हाथियों की असामान्य स्थिति की कई वजहें हो सकती हैं। कई हाथियों के पैरों के आसपास की जमीन का संकुचित होना और मृत्यु के बाद घसीटे जाने का संकेत देती चोटें, सभी हाथियों को जान-बूझ कर दफनाने की प्रथाओं की ओर इशारा करती हैं। इससे यह सवाल भी उठता है कि क्या हाथियों के समुदाय में मृत्यु के बाद अपने साथी को दफनाने की व्यवस्था होती है। अगर यह सही है कि जानवरों में भी मृत्यु और दुख की समझ होती है, तो इसका मतलब तो यही है कि मनुष्य उतना भी अनूठा नहीं, जितना उसे अमूमन समझा जाता है।

पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि हमारे होमिनिड पूर्वज कम से कम एक लाख साल या शायद इससे भी ज्यादा समय से मृतकों को दफनाते रहे हैं। कालांतर में कुछ संस्कृतियों में शवों को जलाने का उपक्रम शुरू किया गया। हालांकि शवों को प्रकृति में विलीन करना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इस प्रक्रिया के जरिये उस वक्त के लोगों के दिमाग में क्या चलता होगा या उनकी भावनाएं कैसी होती होंगी, यह अनुमान लगाना महत्वपूर्ण है। हमारे पूर्वजों के लिए दफनाना केवल शवों का निपटान नहीं था, बल्कि अपने दुख की अभिव्यक्ति और जो गुजर चुके हैं, उनके प्रति सम्मान भी था। विभिन्न संस्कृतियों में मरे हुए लोगों को याद रखने के तरीकों के रूप में लोग उनके अंतिम संस्कार में अपना समय और प्रयास लगाते हैं। जाहिर है कि दफनाना भी हमारी भावना और सहानुभूति का स्पष्ट संकेत है। माना जाता है कि मृत्यु के उपरांत हमारी प्रतिक्रियाएं मानवता को दर्शाती हैं। लेकिन आज तक किसी पशु प्रजाति में मृत्यु को लेकर प्रतिक्रिया में ऐसा सामाजिक प्रतिनिधित्व नहीं दिखा है। लोक परंपराओं और सदियों से चले आ रहे किस्से-कहानियों को छोड़ दें, तो किसी भी पशु प्रजाति में अपने मृतकों को व्यवस्थित रूप से दफनाने के प्रमाण नहीं मिलते हैं।

क्या हाथी को जान-बूझ कर दफनाया गया : यह निष्कर्ष निकालना कि हाथियों के समुदाय में कभी अंत्येष्टि की रस्म होती होगी, जल्दबाजी होगा। विचार के स्तर पर यह भले ही दिलचस्प लगे, लेकिन व्यवहार में इसे प्रमाणित नहीं किया जा सकता। यह भी हो सकता है कि हाथियों का समूह कहीं जा रहा हो और हाथियों के कुछ बच्चे खाई में गिर गए हों। हालांकि हाथियों की भावनाओं के बारे में जो बातें हम जानते हैं, वे भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। हाथियों को अपने मृत बच्चों के शरीर को ले जाते देखा गया है। जब वे किसी अन्य हाथी या फिर किसी अन्य प्रजाति के शव के पास से गुजरते हैं, तो उनका व्यवहार अक्सर बदल जाता है। ऐसे अवसरों पर हाथी अमूमन मृत हाथी के शरीर की चुपचाप जांच करते हैं, सिर झुकाकर उसके अंगों को सूंघते हैं या शायद छूते हैं, शव को हिलाने या जगाने की कोशिश करते हैं और दुर्लभ अवसरों पर यह भी हो सकता है कि वे उस पर मिट्टी या पेड़ की पत्तियां या तने डालने की कोशिश करते हों। ये ठीक वैसी ही प्रतिक्रियाएं हैं, जो मनुष्य शोक की अवस्था में दिखाते हैं।

मृत्यु को समझना: मृत साथियों के प्रति दिलचस्पी दिखाने वाले अकेले हाथी नहीं हैं। कौवों में भी यही प्रवृत्ति दिखती है। वे भी मृत कौवे को बीच में रखकर एकत्रित होते हैं, जिसे उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के रूप में पहचाना जाता है। ऐसा महसूस होता है कि कौवों का यह जमावड़ा उन्हें किसी खतरे से बचने के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है कि ऐसा न हो कि वे भी उसी स्थिति में पहुंच जाएं। इसके अलावा, चींटियां भी अपने मृतकों को दूर कर देती हैं। चींटियां दरअसल मृत चींटियों द्वारा स्रावित होने वाले रसायनों से उन्हें पहचानती हैं। चींटियों की कुछ प्रजातियों में तो मृत चींटियों को दफनाने की भी परंपरा दिखती है, ताकि बीमारी के स्थानांतरण की आशंका को सीमित किया जा सके। हालांकि शोधकर्ता भी यह मानते हैं कि चींटियों या हाथियों के इस व्यवहार का मतलब यह कतई नहीं निकालना चाहिए कि उन्हें जिंदगी या मौत की कोई समझ है। 1950 के दशक में जीव विज्ञानी और कीट विज्ञानी ईओ विल्सन ने एक प्रयोग के तहत जीवित चींटियों पर एक खास रसायन लगाया, नतीजा यह हुआ कि बाकी चींटियां उनके साथ मृत जैसा ही व्यवहार करने लगीं। बाकी चींटियों ने उन्हें पकड़ कर बाहर खींच लिया और झुंड से अलग फेंक दिया। रसायनों के प्रति कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं चूहों में भी देखी गईं। चूहे भी मृत चूहों से आने वाली खास गंध पर प्रतिक्रिया देते हैं। यहां तक कि जिन लकड़ियों से गंध आने लगती है, चूहे उन पर भी वैसी ही प्रतिक्रिया देते हैं। हालांकि चूहे और चींटियों के ये उदाहरण स्पष्ट तौर पर मनुष्य या हाथियों सहित कई प्रजातियों में दिखने वाले शोक व्यवहार से अलग हैं। जहां तक हाथियों की बात है, तो यह कहना फिलहाल मुश्किल है कि हाथी वास्तव में अपने मृत साथियों को दफनाते हैं या नहीं, लेकिन परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु पर उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं जरूर देखने लायक होती हैं।

क्या हाथी रोते हैं : मनुष्य कई भावनात्मक वजहों से रोते हैं, जैसे दर्द, भय, उदासी या अकेलापन। हाथी भी इन सभी का अनुभव करते हैं और इंटरनेट पर कई रील्स में आप हाथियों को रोते हुए देख भी सकते हैं। लेकिन उन्हें होने वाले दुख और उनकी आंखों के आंसुओं में अब तक कोई संबंध स्थापित नहीं हो पाया है। किसी अन्य जानवर की तुलना में हाथी अपने समूह के दूसरे सदस्यों के प्रति ज्यादा सहानुभूति रखने के लिए जाने जाते हैं। वे दूसरे हाथियों की रक्षा करते हैं, उन्हें आराम देते हैं, कमजोर हाथियों की मदद करते हैं, इत्यादि। अगर कभी जानवरों के आंसुओं और उनकी भावनाओं में कोई संबंध मिले, तो शायद हाथी इसके लिए पहले उम्मीदवार होंगे। हाथियों के आंसुओं के कारण दरअसल जैविक होते हैं। मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों की आंखों में जब कोई कचरा जाता है, तो आंसू उन्हें बाहर निकालते हैं, जबकि हाथियों में आंसुओं की इस व्यवस्था की कमी होती है, इसलिए उनके आंसू निकलते रहते हैं।

अप्रैल फूल-डे

हलके-फुल्के मजाक से हंसने-हंसाने का मौका

■ राजकुमार 'दिनकर'

हर साल एक अप्रैल को दुनिया के कई देशों में मूर्ख दिवस मनाया जाता है। चूंकि एक अप्रैल को मनाया जाता है, इसलिए इसे अप्रैल फूल डे के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे को बरगलाकर बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं और अगर सफल हो गए तो अपनी इस कोशिश पर जमकर हंसते हैं। दरअसल अप्रैल फूल डे की सारी कवायद वही है, जो शायद सदियों से हंसने-हंसाने की एक आदिम कोशिश है। इस दिन लोग अपने दोस्तों, करीबियों, रिश्तेदारों, सहपाठियों और सहकर्मियों से प्रैंक यानी मजाक करते हैं और जब से सोशल मीडिया का चलन हुआ है, तब से तो लोग अंजान लोगों के साथ भी प्रैंक करने से बाज नहीं आते। चूंकि आजकल ऐसी रील बनाने के बाद फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में अगर वह वायरल हो गई तो अच्छी-खासी कमाई भी हो जाती है। यूं भी जब से सोशल मीडिया की दुनिया गुलजार हुई है, लोग किसी का मजाक करने के लिए एक अप्रैल का भी इंतजार नहीं करते। कहीं भी और कभी भी प्रैंक का कारोबार चलता रहता है।

अप्रैल फूल डे के इतिहास पर नजर डालें तो यूं तो इससे जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, लेकिन कुछ कहानियां सर्वाधिक प्रचलित हैं। एक कहानी के मुताबिक अप्रैल फूल डे की शुरूआत साल 1381 में हुई। जब इंग्लैंड के राजा रिचर्ड द्वितीय और बोहेमिया की रानी ऐनी की सगाई का ऐलान हुआ और यह सगाई 32 मार्च की तय की गई। जनता ने शुरू में ध्यान नहीं दिया और सगाई की बात सुनते ही जश्न शुरू हो गया। लेकिन जब 31 मार्च आ गया, तब लोगों को पता चला अरे, 32 मार्च तो कुछ होता ही नहीं। जो लोग अभी तक राजा की सगाई का जश्न मना रहे थे, अब उन्हें समझ में आया कि वे तो मूर्ख बन गये। कहते हैं तभी से अप्रैल फूल डे मनाया जा रहा है।

कैलेंडर बदलना बना वजह! : मूर्ख दिवस को लेकर एक और कहानी काफी प्रचलित है, इसका संबंध फ्रांस से है। इस कहानी के मुताबिक अप्रैल फूल्स डे की शुरूआत सन 1582 में हुई, जब पोप चार्ल्स नवम ने पुराने कैलेंडर की जगह रोमन कैलेंडर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, जिसके मुताबिक साल की शुरुआत एक जनवरी से होती है। लेकिन कुछ लोग इस तारीख को याद नहीं रख पाए और वे पुराने साल की शुरुआत के मुताबिक नये साल का जश्न मनाते रहे और तभी से यह अप्रैल फूल डे मनाया जाना शुरू हुआ। जहां तक भारत में इस दिन के सेलिब्रेट किए जाने की शुरुआत का सवाल है तो भारत में इसकी शुरुआत 19वीं सदी में हुई और जाहिर है यह शुरुआत करने वाले अंग्रेज ही थे। लेकिन आज सोशल मीडिया के दौर में यह दुनिया के तकरीबन हर देश में मनाया जाता है। भारत में तो नई पीढ़ी के बीच यह काफी प्रचलित है।

कहीं दोस्ती की शुरुआत का भी दिन

कई देशों में यह दिन दोस्तों के साथ पार्टी करने और उन्हें फूल देने तथा दोस्ती करने की शुरुआत के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। तो कई देशों में इसे दोस्ती बनाने का सबसे खास दिन मानते हैं। बेल्जियम और इटली में लोग इस दिन जिससे दोस्ती करनी होती है, उसकी पीठ पर चुपके से कागज की मछली बनाकर चिपका देते हैं। इस तरह एक अप्रैल सिर्फ मूर्खता का दिन ही नहीं है, दोस्ती, प्यार और जीवन के कई नये अध्याय शुरू करने का दिन भी है।

देशों के अपने-अपने मूर्ख दिवस : हालांकि एक अकेले इसी दिन मूर्ख दिवस मनाये जाने की परंपरा नहीं है। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तारीखों को मूर्ख दिवस मनाया जाता है। मसलन डेनमार्क में 1 मई को मूर्ख दिवस मनाया जाता है और इसे मजकट कहते हैं। जबकि स्पेनिश बोलने वाले देशों में यह दिवस 28 दिसंबर के दिन मनाया जाता है और इसे मूर्ख दिवस कहने की बजाय डे ऑफ होली इनोसेंट्स कहते हैं। ईरानी लोग फारसी नववर्ष के 13वें दिन मूर्ख दिवस मनाते हैं, जो कि आमतौर पर एक या दो अप्रैल को ही पड़ता है। कई देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है, तो कई देशों में मूर्ख दिवस मनाये जाने का चलन सिर्फ दिन में 12 बजे तक का होता है। मसलन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और कुछ अफ्रीकी देशों में अप्रैल फूल डे दिन के 12 बजे तक ही मनाया जाता है। जबकि कनाडा, अमेरिका, रूस और बाकी यूरोपीय देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है। अपने यहां भी इसे सुबह से लेकर शाम तक मनाये जाने की परंपरा है।

(साभार)

शीतल बयार में दिलकश सैर

धर्मशाला

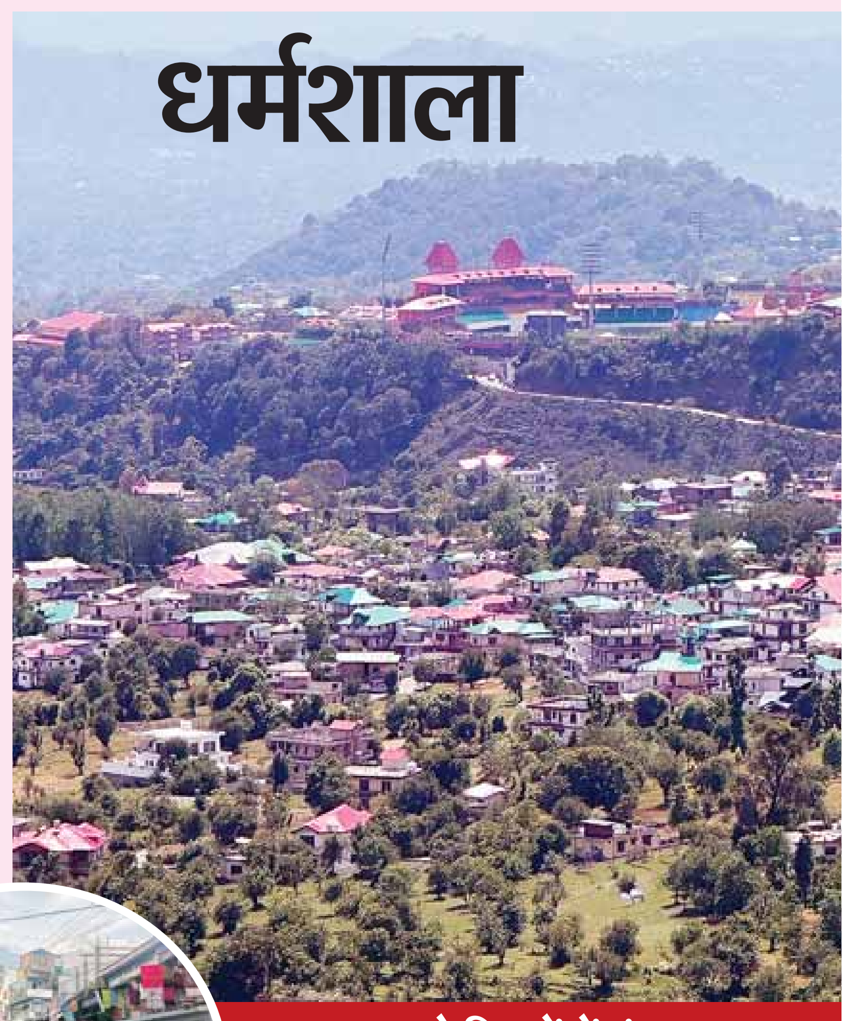

अमिताभ स.

गर्मियां आ ही रही हैं। ऐसे में, हिमाचल के पहाड़ों की गोद में बसे धर्मशाला और मैक्लोडगंज का ख्याल ही असीम आनन्द से सराबोर कर देता है। यहां की बर्फ से ढकी धौलाधार चोटियां, कांगड़ा के हसीन नजारे और देवदार व चीड़ के सटे-सटे पेड़ करीब से नहीं देखे तो क्या देखा। आज इसी दिलकश सैर पर चलते हैं।

कहीं पढ़ा था कि धर्मशाला की तकदीर में ही फेम लिखा था। इसीलिए 1860 के दशक में, ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड एल्गिन को कांगड़ा घाटी का धर्मशाला शहर भा गया। वह इसके चप्पे-चप्पे में फैले कुदरती नज़ारों पर इतना फिदा हुआ कि इसे हिन्दुस्तान की ग्रीष्म राजधानी बनाने को बेकरार हो उठा। लेकिन ऐसा मुमकिन न हो सका क्योंकि लॉर्ड एल्गिन का देहांत हो गया। उन्हें नजदीकी सेंट जॉन चर्च में दफना दिया गया। हालांकि कुछ का मानना है कि 1905 में कांगड़ घाटी में भूकम्प आने से समर केपिटल को शिमला शिफ्ट करने तैयारी की गई। फिर धर्मशाला की बजाय शिमला को समर कैपिटल बना दिया गया। लेकिन किसी को क्या खबर थी कि सुदूर दूसरे मुल्क के धर्मगुरु धर्मशाला के ऊपर मैक्लोडगंज में डेरा डालेंगे और इसे विश्व नक्शे पर चमका देंगे। साल 1960 के दशक के दौरान, तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा ने अपर धर्मशाला के मैक्लोडगंज में खुद को बसा लिया। आज़ादी से पहले समूचा इलाका ब्रिटिश कैंट का हिस्सा था।

हिमाचली शॉपिंग और खाना

खरीदारी के लिए लोअर धर्मशाला का रुख करना बेहतर है। क्योंकि मैक्लोडगंज की माल रोड से सस्ता है कोतवाली बाज़ार। यहां गर्म कपड़े मिलते हैं। हिमाचली टोपियां और शालें तो धर्मशाला की सौगात हैं। बुद्धा पेंटिंग्स और नगीनों से पिरोई मालाएं, कलात्मक चाबी के छल्ले वगैरह गिफ्ट आइट्म्स की भी कई दुकानें हैं। लोअर और अपर धर्मशाला के कुछेक ढाबे जोरदार हैं। `येलो लामा' सबसे ज्यादा चलने वाला तिब्बती-चाइनीज रेस्टोरेंट है। अपने होटल में ही ऑर्डर करना बेहतर रहता है। क्योंकि बाज़ार में नॉर्थ इंडियन खाने के विकल्प कम हैं। धर्मशाला के मैक्लोडगंज के रास्ते में ही, पत्थरों से बनी चर्च देखने लायक है। इसे अंग्रेज शासक लॉर्ड एल्गिन की याद में बनवाया गया था। हरे-भरे ऊंचे-ऊंचे दरख्तों से घिरी चर्च की रंगीन कांच की खिड़कियां अत्यन्त लुभाती हैं। उधर धर्मशाला से 10 किलोमीटर आगे है त्रिउंड। करीब 9,280 फुट की ऊंचाई पर बसा त्रिउंड पिकनिक के लिए उत्तम है। यह धौलाधार पर्वतारोहण का आधार शिविर भी है और स्नो लाइन का श्रीगणेश बिंदु भी। कोतवाली बाज़ार से करीब 3 किलोमीटर आगे माता कुनाल पथरी नाम का देवी मन्दिर भक्तों से भरा रहता है।

मैक्लोडगंज से 4 किलोमीटर ऊपर धर्मकोट पर भी टूरिस्ट्स का जमावड़ा रहता है क्योंकि धौलाधार पहाड़ और कांगड़ा घाटी का सबसे मनोहरी या कहें पिक्चर परफेक्ट सीन यही है। करीब 3 घंटे की सड़क दूरी पर पालमपुर के चाय बाग़ानों की सैर भी मज़ेदार अनुभव है। बाग़ानों में चाय की पत्ती ख़रीद कर लाने से अलग की आनंद का अहसास होता है। जहां जाएं, वहां के प्रांतीय व्यंजन नहीं खाए, तो क्या खाया। सो, हिमाचल में बबरू भी टेस्ट करना बनता है। तवे पर बना आटे का चीला समझिए। धीमी आंच पर बनाते हैं, जिससे ज़्यादा टेस्टी लगता है। ऊपर देसी घी, गुड़ और काले चने डाल कर पेश करते हैं। चने का मधरा, सिड्डू और धाम हिमाचल के अन्य पारम्परिक व्यंजन हैं।

दो हिस्सों में बंटा

धर्मशाला दो हिस्सों में बंटा है- लोअर और अपर। नीचे धर्मशाला है और ऊपर मैक्लोडगंज। दोनों में दूरी करीब 9 किलोमीटर है। रोप-वे ट्रॉली से भी आ-जा सकते हैं। धर्मशाला समुद्र स्तर करीब 4,550 फुट की ऊंचाई पर है और मैक्लोडगंज करीब 6,830 फुट। इस का नामकरण पंजाब के लेफ्टिनेंट गर्वनर सर डोनल्ड फ्रील मैक्लोड के नाम पर हुआ है, जिसके कार्यकाल में इलाके का विकास हुआ। यह कांगड़ा घाटी के दिल में बसा है। कई मन्दिर हैं, जड़ी-बूटियों की खेती-बाड़ी है और स्कूल ऑफ मिनिएचर पेंटिंग्स भी। धर्मशाला स्टेडियम भी देखने लायक़ है। बस अड्डे से सटा कोतवाली बाज़ार सबसे रौनकी है। सड़क के दोनों ओर छोटी-छोटी दुकानें हैं। छोटे-छोटे कैफे, हलवाई, बेकरी, खोमचा वगैरह हैं, जहां खाने-पीने का लुत्फ लिया जा सकता है। एक मॉल भी है, उसमें गोल्ड सिनेमा हॉल भी। सामने ही राम चाट वाले की रेहड़ी के इर्द-गिर्द गोलगप्पों के चटकोरों का मजमा लगा रहता है। लोअर और अपर धर्मशाला के बीच में स्कूल ऑफ तिब्बत कल्चर लाइब्रेरी है। सड़क के रास्ते घने जंगल से घिरा फॉरसैथगंज आता है, जहां कई पुराने बंगले हैं। मैक्लोडगंज में तिब्बती बस्तियों का डेरा है। इसीलिए `लिटिल तिब्बत' और `छोटा ल्हासा' कहलाता है और तिब्बती डिशेज खूब परोसी जाती हैं। यहीं खासा लम्बा-चौड़ा प्रार्थना चक्र भी है। यहीं तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा का निवास और निर्वासित सरकार का हैडक्वार्टर भी है। यहां दलाई लामा के मन्दिर और तिब्बत म्यूजियम भी देख सकते हैं। प्रमुख बौद्ध मठ में भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा खास आकर्षण है।

नाम निर्देशन के दूसरे दिन एक अभ्यर्थी ने दाखिल किया नामांकन

नर्मदापुरम। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में नामांकन के दूसरे दिन शनिवार 30 मार्च 2024 को राकेश पिता रामप्रसाद निवासी निरंजन वार्ड करेली जिला नरसिंहपुर ने निर्दलीय अभ्यर्थी के रूप में नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। रिटर्निंग अधिकारी सोनिया मीना ने नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया।

हरदौल जू बाबा पर निशान चढ़ाकर हुआ एक दिवसीय मेले का शुभारंभ

सिवनी मालवा। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रंगपंचमी पर स्थानीय हरदौल जू बाबा के मंदिर में निशान चढ़ाकर उनकी महाआरती पूजन पाठ और प्रसादी के साथ एक दिवसीय मेले के शुभारंभ हुआ। धर्म प्रेमी जनता मेले में दूर दराज से बाबा के दर्शन करने आती हैं। इस अवसर पर अवधेश तिवारी (कक्का जी) पप्पू शोहरत सांसद प्रतिनिधि, अगेश तिवारी,प्रवीण अवस्थी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष,जसवंत सिंह भाटी,संतोष सिंह चंदेल वीरेंद्र मालवीय दीपक बाबा, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सिवनी मालवा क्षेत्र के मां नर्मदा तट पर जन्मे भवानी प्रसाद मिश्र की जयंती पर विशेष

मप्र शासन के शिखर सम्मान से सम्मानित भवानी प्रसाद मिश्र को शासन और प्रशासन दोनों ही भूले!

सिवनी मालवा, संतोष चंदेल

प्रेमशंकर रघुवंशी नामक पुस्तक की लेखिका श्रीमती नंदा सिंह ठाकुर बताती है कि पिता तुल्य सुप्रसिद्ध साहित्यकार प्रेमशंकर रघुवंशी से भेंट होने पर वे अक्सर देश के सुप्रसिद्ध कवि भवानी प्रसाद मिश्र के बारे में बताया करते थे। उन्होंने ही बताया कि सन् 1972 को सिवनी मालवा नगर में भवानी भाई का अभिनंदन समारोह रखा गया था किंतु बुनी हुई रस्सी नामक कविता आने और अकादमी पुरस्कार मिलने की घोषणा की वजह से वे सिवनी मालवा नहीं आ पाए और यह अभिनंदन 1 साल के लिए टल गया। इसी दौरान उन्हें अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ और फिर सिवनी मालवा नगर में भवानी भाई के आने की संभावनाएं ज्यादा हो गई। यही कारण है कि अकादमी पुरस्कार लेने के बाद पहली बार सिवनी मालवा नगर आगमन पर भवानी भाई का महा अभिनंदन समारोह रखा गया। इस समारोह की विशेषता यह रही कि प्रदेश का एक भी साहित्यकार अछूता नहीं रहा जो सिवनी मालवा में भवानी भाई के अभिनंदन समारोह में नहीं आए हो और जिन्होंने इस समारोह में आकर भवानी भाई पर कुछ व्यक्त न किया हो। आखिरकार 11 और 12 अक्टूबर 1973 को सिवनी मालवा नगर के हाई स्कूल भवन में यह अभिनंदन समारोह अत्यंत सादगी और मर्यादित परंपराओं के साथ मनाया गया।

इस महाअभिनंदन समारोह के मुख्य संयोजक प्रेमशंकर रघुवंशी ही थे। वे बताया करते थे कि सिवनी-मालवा में दिनांक 11 और 12 अक्तूबर, 73 को नगर की एक समिति बनाकर किया गया। शायद यह पहला अवसर है जिसमें प्रत्यक्षतः उन लोगों ने रुचि दिखाई जिन्हें अकसर कविता से कोई

12 अक्तूबर सन् 1973 को सिवनी मालवा में हुआ था उनका महाअभिनंदन

खास सरोकार नहीं रहता था। स्मारिका विमोचन, अभिनंदन-समारोह, अखिल भारतीय कवि-सम्मेलन, %कविता के बदलते हुए तेवर% पर गोष्ठी और अंततः आगत समस्त कवियों की कविताओं को केंद्र में रखकर जो काव्य-संध्या मनाई गई, उसने पूरे चालीस घंटे तक कवि भवानीप्रसाद मिश्र से कहीं अधिक आधुनिक साहित्य जगत की केंद्रीय हलचल का प्रभाव उत्पन्न किया। सर्वश्री जैनेंद्र कुमार, डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन, राममूर्ति त्रिपाठी, डॉ. रामाधार शर्मा के अलावा हिंदी कविता के अनेक नवयुवक कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं के पाठ और विचारों की अभिव्यक्ति के द्वारा साहित्य की जड़ सीमाओं को तोड़ने के साथ-साथ उस जब्त मनोवृत्ति को भी तोड़ने का प्रयास किया।

भवानी प्रसाद मिश्र जैसे निर्बाध और स्वाधीन व्यक्ति और बैचेन कवि का इससे अच्छा अभिनंदन और क्या हो सकता था। यद्यपि अभिनंदन समारोह में प्रदेश के कतिपय विधायकों के साथ शिक्षा मंत्री भी उपस्थित थे, पर वहां राजनैतिक भव्यता और आनंद के बदले साहित्य की उन्मुकता और सहजता ही विद्यमान रही। इस पर ग्रंथ भी प्रकाशित किया गया, जिसका महत्व आज पूजा या अर्चना न होकर कवि अवसर पर समिति के संयोजक प्रेमशंकर रघुवंशी के संपादन में भवानी भाई शीर्षक से एक ग्रंथ की रचना हुई जो आज संदर्भ ग्रंथ के रूप में जाना जाता है। सन् 1972 में %बुनी हुई रस्सी% के लिए आपको साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। पद्मश्री के साथ 1981-82 में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान का पुरस्कार भी मिला। 1983 में उन्हें मध्य प्रदेश शासन का शिखर सम्मान मिला।

भवानी भाई का जन्म सिवनी मालवा से सटे हुए गांव टिगरिया (खरखेड़ी) में हुआ था। भवानी भाई का नाता सिवनी मालवा और बनापुरा मोहल्ले से नजदीक का रहा है। भवानी भाई ने टिगरिया और होशंगाबाद जिले से निकलकर प्रदेश और राष्ट्र के क्षितिज पर साहित्य के नाम के साथ होशंगाबाद जिले का नाम भी स्थापित किया इसलिए पूरे देश में भवानी भाई के साथ नर्मदापुरम अर्थात होशंगाबाद जिला और टिगरिया गांव का नाम भी जुड़ा है।

प्रशासन की आक्रमण्य नीति और उदासीनता के चलते आज गांव में ना तो उनका कोई निवास स्थान बचा और ना ही किसी भी शासकीय भवन पर उनका नाम लिखा गया। यहां तक की प्रवेश द्वार नहीं बनाया गया और ना ही ग्राम में प्रवेश द्वार पर उनका नाम लिखा गया। साहित्य जगत में सूर्य की भांति चमकने वाले भवानी भाई अपने ही जिले और अपने ही गांव में गुम होकर रह गए। शासन और प्रशासन भवानी भाई के नाम से अनजान हो गया यदि ऐसा नहीं होता तो शासकीय भवनों पर भवानी भाई का नाम अंकित होता और वे शासकीय अभिलेखों में भी जिंदा होते। अब ऐसे में टिगरिया नाम सिर्फ किताबों में ही लिख रह गया है क्योंकि साहित्य के इस महामानव का टिगरिया में कोई नाम निशान नहीं है। एकमात्र एक मकान अवश्य हुआ करता था जो सिवनी मालवा में भवानी भाई के महा अभिनंदन के पूर्व नर्मदा की बाढ़ में नष्ट हो गया। भवानी भाई की स्मृति और उनके नाम को जिंदा रखने के लिए गांव वाले तो लगातार सक्रिय रहे किंतु शासन प्रशासन और हमारे नेता पूरी तरह भूल चुके। परिणाम यह निकला कि आज भवानी भाई के नाम से टिगरिया गांव पहचान तो जाता है लेकिन टिगरिया गांव में भवानी भाई का नामोनिशान नहीं है।

प्रशासन भूला लेकिन परिजन हमेशा उन्हें स्मृतियों में याद रखते हैं

भवानी प्रसाद मिश्र पुण्यतिथि 29 मार्च है। ग्राम टिगरिया तहसील डोलरिया, जिला नर्मदा पुरम मैं ग्रामवासी और परिजन भवानी भाई की स्मृतियों को सहजते हैं उन्हें पुनर्जीवित करते हैं और उन्हें याद करते हुए हर बार शासन से मांग करते हैं। की भवानी भाई के नाम से ग्राम टिगरिया में एक ग्रंथालय (लाइब्रेरी) स्थापित हो, देश के दूर-दूर से आने वाले आगंतुक और पर्यटकों को रुकने के लिए एक कमरा हो ताकि वे ग्राम टिगरिया में आकर भवानी भाई को याद कर सके, उनकी स्मृतियां से मिल सके लेकिन शासन सरकार तो जैसे कान में तेल डालकर बैठी है। भवानी भाई के नाम का प्रवेश द्वार तक नहीं है। प्रशासन है कि उसके कांन पर जूं भी नहीं रेंगती। खैर! भवानी भाई के परिचित इकट्ठे हुए जिनमें प्रवीण मिश्र, सरोज मिश्र, अभिलाषा मिश्र, बिटिया आरोही, दिव्या मिश्र, सिवनी मालवा के ग्राम जाट राजोरा से मामा जी संतोष दिक्षित नर्मदापुरम से अशोक जमनानी, राजपूत जी भी ग्राम टिगरिया महंत ताराचंद गौर, विनय गौर, संतोष मालवीय, सुरेंद्र गौर ने अपने श्रद्धा पुष्प भवानी भाई के चित्र पर अर्पित किये।

क्रिकेट मैच तो एक बहाना है वोट देने सबको जाना है, मैच के दौरान दिया संदेश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता के लिए पूरे जिले में कहीं नुक्कड़ नाटक तो कहीं लोगों को फ्लेक्स और सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी मतदाता जागरूकता के संदेश के साथ ग्राम पंचायत शिवपुर में सुबह 10 बजे से महिलाओं के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ।जिसमे सिवनी मालवा और केसला की महिलाओ के बीच मैच हुआ, इस रोमांचक मैच में सिवनी मालवा जनपद पंचायत की टीम विजई हुई। सिवनी मालवा मैच की कप्तानी सीईओ श्रुति चौधरी द्वारा की गई, प्लेयर ऑफ़ द मैच महिमा मैडम रही।उसके पश्चात जनपद केसला और सिवनी मालवा के स्टाफ के बीच मतदाता जागरूकता हेतु मैत्री क्रिकेट मैच हुआ, जिसमे सीईओ जिला पंचायत सुजान सिंह रावत द्वारा भी केसला टीम की ओर से भागीदारी की गई। केसला टीम की कप्तानी सीईओ केसला रंजीत सिंह ताराम द्वारा की गई, मैन ऑफ़ द मैच सिवनी मालवा फारेस्ट एसडीओ अनिल विश्वकर्मा रहे जिन्होंने शतकीय पारी खेली,जो केसला की ओर से खेले मैच समाप्ति के पश्चात सभी खीलाडियो और दर्शकों को मतदाता जागरूकता हेतु शपथ दिलाई गई।

शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष स्थापित...

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने आदर्श आचरण संहिता के प्रभावशील होते ही लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिपेक्ष में निर्वाचन को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष करने हेतु विभिन्न कार्यकर्ताओं के मध्य संपर्क करने के लिए नियंत्रण कक्ष एवं शिकायत रजिस्टर के लिए जिला स्तर पर शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष स्थापित कराया है। नियंत्रण कक्ष कलेक्टर भवन के प्रथम तल पर स्थापित किया गया है, जो प्रतिदिन 24 घंटे कार्यरत है। उक्त जिला स्तरीय शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण एवं सी-विजिल कक्ष हेतु नवीन संशोधित आदेश अनुसार डिप्टी कलेक्टर असमनराम चिरावन को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रियंका भलावी एवं जय सौलंकी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्वाचन के दौरान आम जन अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु निर्वाचन आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 पर अथवा जिला स्तरीय शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 07574-251292 के माध्यम से शिकायत कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही लिखित में जिला निर्वाचन कार्यालय को भी शिकायत की जा सकती है। इसके अतिरिक्त नागरिक सी विजिल मोबाईल एप के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करा सकते है। जिसमें 100 मिनिट के भीतर कार्यवाही करके शिकायतों का निराकरण कराया जाएगा।

पिस्टल लेकर घूमते युवक को पुलिस ने पकड़ा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शिवपुर थाना के अंतर्गत आने वाले उमरिया नाव घाट पर देशी पिस्टल लेकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़ा। शिवपुर थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया की उच्च अधिकारियों मार्गदर्शन पर अवैध कामो में लिप्त असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुये उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु काम्बिंग गस्त की जा रही है। इसी के चलते मुखबिर सुचाना पर रवाना होकर उमरिया नाव घाट पहुंचे जहां नाव घाट के बगल मे एक आदमी खडा दिखा पास पहुंचने पर वह इधर उधर जाने लगा जिसे घेराबंदी कर पकडा और नाम पता पूछा जिसने अपना नाम संजय उर्फ संजू पिता ज़ रामचन्द्र भारती निवासी ग्राम उमरिया का होना बताया जिसे बताया तलाशी के दौरान उसकी लोवर के दाहिनी जेब मे एक जिंदा और एक चला हुआ कारतूस मिला एवं पीछे कमर मे चैक करने पर लोवर मे खुसी हुई एक लोहे की पिस्टल रखी मिली। जिससे पिस्टल रखने हेतु वैध दस्तावेज चाहे गए जिसके पास दस्तावेज नहीं होने से मौके पर देशी पिस्टल मय मैगजीन के जप्त की जाकर आरोपी को गिरफ्तार न्यायलय में पेश किया गया।

व्यय प्रेक्षक ने उदयपुरा के चेक पोस्टों का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शनिवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु लोकसभा क्षेत्र होशंगाबाद 17 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्रीमति मीना कुमारी मीना ने विधानसभा क्षेत्र क्रमाक 140 उदयपुरा अंतर्गत बनाये गए एसएसटी चेकपोस्ट दिगवाड़, कुटनासिर चौराहा, तहसील बाड़ी एवं बौरास उदयपुरा रोड एवं तहसील उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 121 गाडरवारा के अंतर्गत एसएसटी चेकपोस्ट झिकोली का निरीक्षण किया गया। व्यय प्रेक्षक ने एसएसटी दलों को आवश्यक निर्देश दिए।व्यय प्रेक्षक श्रीमति मीना ने बरेली तहसील कार्यालय के सभाकक्ष में सभी एफएसटी, वीवीटी,वीएसटी एवं व्यय लेखांकन दल एवं सी विजिल एप की टीमों की बैठक ली, जिसमे उन्होने सभी टीमो को लोकसभा निर्वाचन के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। व्यय प्रेक्षक श्रीमति मीना द्वारा सभी टीमो के कार्य की सराहना की गई। तत्पश्चात उन्होने स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी संतोष मुदगल द्वारा पीपीटी के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र की समस्त जानकारी का प्रजेंटेशन दिया गया। इस दौरान कर अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी संतोष मुदगल, लायजिनिंग अधिकारी सुश्री अनुराधा शाक्यवार, सहायक लायजिनिंग अधिकारी श्रीमती ज्योति अय्यर, तहसीलदार अम्बर पंथी, एसडीओपी सुरेश कुमार दामले एवं सभी नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारी बरेली उपस्थित रहे।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय की अंतिम प्रवेश तिथि आज, विद्यार्थी आनलाइन ऑवेदन जमा कर सकते हैं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की अंतिम तारीख बढ़ा दी गई है। विद्यार्थी आज 31 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। नर्मदा कॉलेज के प्राचार्य एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ ओ एन चौबे ने जानकारी दी कि भोज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजय तिवारी ने सभी केंद्रों को आदेशित किया है कि अपने आसपास के विद्यार्थियों को भोज विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रेषित कर प्रवेश के लिए प्रेरित करें। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें।डॉ चौबे ने यह भी बताया कि प्रवेश के लिए कोई आयु सीमा नहीं है ना ही टी सी, माइग्रेशन की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अब कोई भी विद्यार्थी एक डिग्री नियमित के साथ दूसरी ओपन यूनिवर्सिटी से हासिल कर सकते हैं। स्नातक स्तर पर बी.ए, बी.कॉम, बीएससी तथा स्नातकोत्तर में एम. ए. अंग्रेजी, हिंदी अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एम.एस.सी. साइबर सिक्योरिटी, वनस्पति शास्त्र, गणित, रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, आई.टी, एम.सी.ए., बी जे, एम.जे एवं अन्य डिप्लोमा कोर्स ,पीजी डिप्लोमा मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट ,पीजी डिप्लोमा एंड एनर्जी मैनेजमेंट, रामचरितमानस डिप्लोमा आदि कोर्स में विद्यार्थी 31 मार्च तक प्रवेश ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि समस्त पाठ्यक्रम कोई भी विद्यार्थी, शासकीय कर्मचारी, नौकरी पेशा व्यक्ति, नियमित पाठ्यक्रम के साथ कर सकते हैं।अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम में संपर्क करें। एमपी ऑनलाइन के माध्यम से विद्यार्थी अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

मेट्रो एंकर

मास्टर ट्रेनर्स ने दिया मीडिया मॉनिटरिंग सेल को प्रशिक्षण

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया पर पेड न्यूज एवं विज्ञापनों पर नजर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही कलेक्ट्रेट में स्थापित एमसीएमसी मॉनिटरिंग सेल सक्रिय हैं। जिसमें 24 घंटे तीन पालियों में दल प्रभारी एवं सहायक सदस्य बनाए गए हैं। जिनके द्वारा पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एवं विज्ञापन की मॉनिटरिंग के साथ विज्ञापन प्रमाणन के लिए आवेदन लिए जाएंगे। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डी.एन. व्यास एवं अजय पात्रेकर ने मीडिया मॉनिटरिंग सेल को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर जय सोलंकी, डॉ. प्रीति आनंद उदयपुरे, डॉ. बी.एस. आर्य, डॉ. आशीष सिंह, शेषराव कुमरे, पवन भाटी, प्रसन्न शर्मा, आर.के. कुशवाहा, दिनेश कुमार अहिरवार, राजेन्द्र चौधरी, धर्मवीर कर्ण, शैलेन्द्र शुक्ला उपस्थित रहें।

मास्टर ट्रेनर श्री व्यास ने मॉनिटरिंग सेल के सदस्यों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं विशेष तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित निर्वाचन संबंधी पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एवं विज्ञापनों की सतत मानिटरिंग करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होने विज्ञापन प्रमाणन संबंधित पूरी कार्यवाही का बारिकी से प्रशिक्षण दिया।

मास्टर ट्रेनर ने बताया की जिला एमसीएमसी और मॉनिटरिंग सेल द्वारा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले व्यक्तिगत अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तावित विज्ञापनों के प्रमाणन, राजनैतिक विज्ञापनो का

पर्यवेक्षण, पेड न्यूज के संदिग्ध प्रकरणों की जांच,पम्पलेट / पोस्टर/हैंडबिल की जांच, प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों का प्रमाणन करेंगे तथा व्यय परीक्षण दल को रिपोर्ट करेंगे।

जिला एमसीएमएसी द्वारा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी से निम्न में से किसी एक या अधिक माध्यम से प्रसारण हेतु प्रस्तावित विज्ञापन का आवेदन प्राप्त की जाएगी। जिनमें केबल नेटवर्क टीवी चैनल, रेडियो (प्रायवेट एफएम चैनल सहित,सिनेमा हाल, ई पेपर, फ़ोन पर बल्क एसएमएस, वाइस मैसेजेस, सार्वजानिक स्थलों पर ऑडियो, सोशल मीडिया इंटरनेट शामिल हैं। आवेदन प्रसारण की प्रस्तावित तिथि से कम से कम 7 दिवस पूर्व दिया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण में बताया गया कि आवेदन प्राप्त होने पर उसकी जांच कर प्रस्तावित विज्ञापन प्रसारण योग्य है या नही का निर्णय जिला एमसीएमसी करेगी। ऐसा निर्णय आवेदन प्राप्त होने के 2 दिनों के भीतर लिया जाकर आवेदक को सूचित करना होगा। हालांकि राजनैतिक दलों / अभ्यर्थियों को सुविधा देने एवं विज्ञापन के प्रमाणन के कार्य को तेजी से पूर्ण करने के लिए आवेदन का निराकरण उसी दिन किये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विज्ञापन प्रसारण योग्य होने की दशा में प्रसारण के लिए प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

जिला एमसीएमसी कमेटी किसी प्रस्तावित विज्ञापन के आवेदन को अमान्य कर सकती है। यदि विज्ञापन का कंटेट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है.प्रशिक्षण में बताया गया कि पम्पलेट, पोस्टर एवं हैण्डबिल की जांच भी की जानी चाहिए। जिसमें आरपी एक्ट 1951 की धारा 127 के अनुसार पंपलेट, पोस्टर, हेण्ड बिल आदि में प्रकाशक एवं मुद्रक के नाम एवं पता लिखा जाना अनिवार्य है। कोई भी व्यक्ति पम्लेट / पोस्टर का मुद्रण नहीं करेगा / नहीं करवाएगा जब तक की प्रकाशक की पहचान की घोषणा उसके द्वारा हस्ताक्षरित तथा 2 व्यक्तियों, जो उन्हें जानते हो, द्वारा सत्यापित न हो। मुद्रक द्वारा घोषणा की प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भेजना अनिवार्य है। प्रकाशन के 3 दिनों के भीतर मुद्रक प्रकाशित सामग्री की 4 प्रतियाँ परिशिष्ट-ख, घोषणा परिशिष्ट - क प्रस्तुत करेगा। यदि ऐसा नही पाया जाता है तो एमसीएमसी इसे आर ओ के संज्ञान में लाएगी ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

श्री मदन मोहन सरकार के दरबार में वृंदावन की होली का श्रद्धालुओं ने उठाया लुत्फ

16 क्विंटल फूल व 18 क्विंटल रंग बिरंगे गुलाल से सरकार के दरबार में मनाया फूलडोल महोत्सव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

होली के रंग श्री सरकार के संग श्री देवाधिदेव मदन मोहन सरकार के सि्द्व चैतन्य दरबार में फूल डोल महोत्सव में वृदावन के रंगो के साथ बडें धूमधाम से मनाया गया। सरकार के दरबार में होली की ऐसी धूम मची कि हर ओर हर्षउल्लास छा गया। सरकार के दरबार में आस्था और भक्ति के अद्भुत रंग बरसते दिखें, जिसमें श्रद्धालु सराबोर हो गए। ढप की थाप पर होली के गीतों के स्वरों ने लोगों को आनंदित कर दिया। आसमान में उड़े गुलाल से सतरंगी छटा छा गई। मदन मोहन सरकार के दरबार मे शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने मदन मोहन सरकार के साथ होली खेली। सरकार के दरबार में शुक्रवार को श्रद्धालुओं में अपने आराध्य संग होली खेलने की होड़ लगी रही। होली के रंगों में सराबोर होकर श्रद्धालु सरकार की जय-जयकार कर रहे थे। सरकार के दर्शन के लिए सुबह से शाम तक भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। , पूरा मंदिर परिसर सतरंगी हो गया। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए सिरोंज के अलावा अन्य शहरो से हजारो की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। फूल डोल महोत्सव में भोपाल से विभिन्न प्रकार के फूल मंगाए गए। जिसमें 5 क्वंटल गुलाब, 5 क्वंटल सेवनती, 5 क्वंटल गेंदा कुल मिलाकर 16 क्वंटल फूल और पीली,हरी,भगवा,नीली,गुलाबी सहित अनेको रंगो की 18 क्वंटल रंग बिरंगी गुलाल से श्रद्धालुओ ने सरकार के दरबार में होली का आनंद लिया।

धूमधाम से मनाया गया फूलडोल महोत्सव

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री देवाधिदेव मदन मोहन सरकार के दरबार में चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी के अवसर पर फूलडोल महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। होली के रंग श्री राधे मदनमोहन जी सरकार के संग श्री देवाधिदेव मदनमोहन सरकार तथा राधेजू को सुसज्जित नारंगी रंग के बागा तथा नीचे जड़ाउ पटके तथा पारंपरिक स्वर्ण श्रृंगार केसर,चंदन का तिलक तथा एक दूजे के मुख पर गुलाल मलकर विशेष श्रृंगार किया गया था। आरती कर सरकार को गुलाल अर्पित किया गया। इसके बाद भक्तों ने जमकर होली खेली। जो भी भक्त इस प्रेम की होली में शामिल हुए वह पूरी तरह से रंग में रंगे नजर आए। यह ऐतिहासिक फूलडोल कार्यक्रम श्री मदनमोहन मंदिर के प्रधान पुजारी नवनीत महाराज के निर्देशन में सम्पन्न किया गया। देरशाम से शुरू हुआ यह कार्यक्रम देर रात्रि तक चलता रहा। इस रंगारंग कार्यक्रम में गोपिका मंडल,महिला मंडल,नवयुवक मंडल हजारों की संख्या में पुरूष महिलाएं भजनों पर नृत्य करते दिखे।

सालभर होते है विभिन्न कार्यक्रम

श्री सरकार के दरबार में सालभर विभिन्न आर्कषक कार्यक्रम मंदिर के प्रधान पुजारी नवनीत महाराज के निर्देशन में सम्पन्न होते है। कार्तिक महोत्सव महीने भर चलता है। जिसमें परिक्रमा,आंवला पूजन,सुहागदान महोत्सव,छप्पन भोग,जन्माष्टमी पर झूलोत्सव,फूलों की भव्य झांकी,डोल ग्यारस पर सरकार को डोले पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाता है। सालभर में होने वाले इन कार्यक्रमों में देश सहित विदेशों से श्रद्वालु शामिल होते है।

सिरोंज। रंग पंचमी के उपलक्ष्य में वृद्धाश्रम मैं पहुँचे समस्त समिति के साथ रंग और गुलाल से होली खेलों सभी माताओ ने और प्रसाद बूंदी लड्डू आदि बितरण कर आसरम में हो रही जल अबीवस्ता को देखते हुए जल सेवा कराई गई कथा प्रवक्ता युबाचार्य श्री अभिषेक कृष्ण जी महाराज औरमहिला ब्लॉक अध्यक्ष रानी साहु, भगवती जगमोहन साहू बादाम सिंह अभिषेक।

भक्त मनोकामना पूर्ण होने पर सरकार को चढ़ाते है अमनिया

जो भी भक्त सच्चे मन से सरकार के दरबार में अपनी मनोकामना लेकर पहुचता है तो श्री सरकार उसकी मनोकामना पूर्ण करते है। वही मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालुओ द्वारा सरकार को अमनिया का भोग लगाया जाता है। शुक्रवार को फूल डोल महोत्सव में श्री सरकार को भांग की फंकी, भांग की बर्फी, रबड़ी, फल-तांबूल के साथ पानी पुरी,शाही लाई,मीठा दही का भोग लगाया गया। वही फूलडोल महोत्सव के अवसर पर श्री सरकार का दरबार श्वेत रंग से सुसज्जित किया गया। श्वेत रंग जो की पवित्रता, शुद्वता, विद्या और शांति का प्रतीक है ऐसे श्वेत रंग से सुसज्जित दरबार की श्वेत विछात, दोनों ओर श्वेत पर्दे, श्री सरकार के श्वेत वस्त्र के साथ पारंपरिक स्वर्ण श्रृंगार भक्तजनों पर फाग उत्सव में होली के रंगों द्वारा अपना आशीष वर्षा रहे थे। भक्तजन भी एक दूजे के मुख पर गुलाल मलकर, पुष्प वर्षा के साथ भजनों का आनंद लेते हुए फूलडोल महोत्सव मना रहे थे। श्री सरकार ने गुलाबी पटका के साथ स्वर्ण श्रृंगार यथा लाल, पीले, गुलाबी मोती की माला, स्वर्णमाला, स्वर्ण मुकुट पर पीली पाग धारण की, राधा रानी ने स्वर्ण मुकुट पर नीली पाग, राधावल्लभ जी ने स्वर्ण मुकुट पर केसरिया पाग, दाऊजी ने स्वर्ण मुकुट पर हरिपाग, बड़े सरकार ने श्वेत पाग तथा केसरिया पाग धारण की, लक्ष्मी नारायण जी ने भी सफेद पाग धारण के साथ पवित्री, रेशमी माला, कुंदपुष्प की माला धरण की थी।

रंग पंचमी पर सड़कें हुए रंग से सराबोर, हिंदु उत्सव से समिति ने निकाला चल समारोह

सिरोंज। शनिवार को नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में रंग पंचमी का त्यौहार बड़े ही उत्साह साथ मनाया गया सुबह से ही होली खेलने वालों की टोलियां रंग में शराबोर होकर निकली एक दूसरे को रंग लगाने का काम किया जा रहा था युवाओं के द्वारा भी होली खेली।थी हिंदू उत्सव समिति के द्वारा हर साल की भांति इस साल भी कस्टम पथ से चल समारोह निकाला गया सबसे पहले एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर बधाई दी गई फिर नगर पालिका परिषद के द्वारा उपलब्ध कराई गई ट्रालियों में रंग से भरी टंकियां से आने जाने वालों पर रंग की बारिश की जा रही थी वहीं बाजार में जैसे ही चल समारोह पहुंचा तो नगर वासियों के द्वारा घरों की छतों से पानी एवं रंग डालने का काम किया जा रहा था वही डीजे की धुन पर बज रहे होली के गीतों पर सभी मस्त झूमते नाचते चल रहे थे। हर तरफ होली खेले खेलने वालों की भीड़ दिखाई दे रही थी चारों तरफ से रंग की बारिश होने से शहर की सभी सड़क रंग में रंगी नजर आ रही थी हाजीपुर में भी रंग पंचमी पर जमकर होली खेली गई। मुगलसराय में पूर्व सरपंच वीरेंद्र पालीवाल की उपस्थिति में जमकर रंग पंचमी का त्यौहार मनाया गया पालीवाल कॉलोनी सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर होली की दिनभर खुमारी छाई रही रंग पंचमी के चलते बाजार में अधिकांश प्रतिष्ठान बंद रहे।

करीला धाम पहुंचे श्रद्धालु, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, वाहनों की लगी लंबी कतारें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को रंग पंचमी पर करीला धाम माता सीता के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी रही चारों तरफ से लोगों का यहां पहुंचने का सिलसिला एक दिन पहले से प्रारंभ हो गया था जो रात भर यह सिलसिला चलता रहा आने जाने वालों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। अनेक स्थानों पर भंडारे भी आयोजित किए गए यहां जाने वाले श्रद्धालुओं को जगह-जगह रोककर जलपान कराया जा रहा था। इस बार यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो उसके लिए तीन स्थानों से ही प्रवेश दिया जा रहा था अलग-अलग रास्तों से वाहनों को निकालने का काम किया जा रहा था गजब का उत्साह श्रद्धालुओं में देखने को मिला लंबी-लंबी लाइन होने के बाद भी सभी माता रानी के दर्शनों के लिए उतारू नजर आ रहे थे।वही विभिन्न क्षेत्रों से हजारों नृत्य गानाए मां जानकी के दरबार में बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी वहीं रात भर मसाला की रोशनी राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई जिनको देखने के लिए भी लोगों की भीड़ लगी रही 45 स्थान पर पुलिस प्रशासन के द्वारा चेक पोस्ट पॉइंट बनाए गए थे। ललितपुर, तेवतिया बमोरीशाल पर वाहन पार्किंग के इंतजाम किए गए थे। यही अलग-अलग क्षेत्र से आने वालों को प्रवेश दिया जा रहा था। इस वजह से जाम की स्थिति हर साल की तरह काम देखने को मिली प्राचीन काल से ही मानता है कि रंग पंचमी पर स्वर्ग से अप्सराय बधाई नृत्य की प्रस्तुति करने के लिए आती है। दूसरी ओर जिनकी झोली खाली होती है वहां मां सीता के दरबार में झोली फैला कर अर्जी लगती है तो उनकी झोली भर जाती है। इसके बाद खुशी के रूप में लोग नृत्य गानाओ को लेकर यहां पर बधाई नृत्य करवाने के लिए रंग पंचमी पर पहुंचते हैं। पुरी मंदिर परिसर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे रास्तों में 250 से अधिक पुलिसकर्मी लगे हुए थे। 100 कोटवारों की ड्यूटी भी लगाई गई थी।

बामोरीशाला में अज्ञात कारणों से युवक ने लगाई फांसी

सिरोंज। दीपनाखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम बामोरी शाला में अज्ञात कारणों से राजा बाबू साहू 20 साल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सूचना मिलने पर दीपनाखेड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सब को फंदे से नीचे उतरकर पंचनामा बनाया पीएम के लिए लाश को शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय भेजा गया जहां पर पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया पुलिस ने बताया मार्ग काम करके मामले को विवेचना में लिया है।

निरीक्षण करने आए खाद्य विभाग व राजस्व कर्मचारी कतराए!

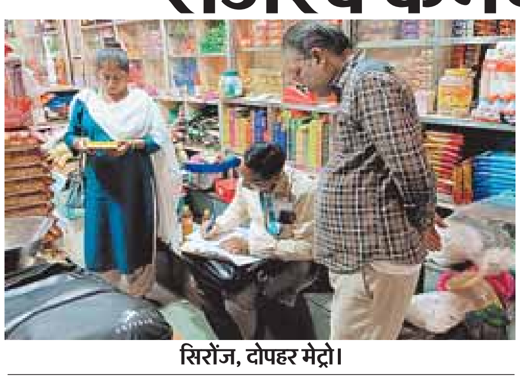

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कई महीने बाद विभाग नींद से जगा खाद विभाग की टीम के साथ विवाद अब खाद्य निरीक्षण दल राजस्व विभाग की टीम के साथ नगर में निरीक्षण करने पहुंचा जहां जिला खाद्य सुरक्षा दल ने शुक्रवार को को नगर के विभिन्न स्थानों पर संचालित आधा दर्जन से ज्यादा सैंपल लिए विभाग द्वारा की गई जानकारी छोटा बाजार स्थित किराना दुकान पर टाकीज चैराहा दुकान, बासौदा चैराहा स्थित किराना दुकान का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थ का नमूने लिए गए हैं वहीं इन दुकानों के जांच पर लिए गए नमूनों के ने मीडिया को यह नाम नहीं बताएं हैं सिर्फ एरिया खुलासा किया वही इन दुकानों के किस नाम से संचालित हो रही हैं यदि जांच पर कोई सैंपल फेल होता है पाया कार्यवाही कैसे होगी यह नगर में चर्चा का विषय तहसीलदार के हस्तक्षेप के बाद खाद्य विभाग में जांच किए गए दुकानदारों के नाम का खुलासा हुआ जिसमें तहसीलदार संजय चैरसिया ने मीडिया को नाम बताएं

सिनेमा चैराहा मानस किरण से सेवइयां ड्यूरेशन छोटे राम छोटे बाजार से सरसों तेल घी और बासौदा नाका गिरिराज किरना से घी के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं वही खाद्य पदार्थों की जांच पड़ताल की गई। साथ ही सभी दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के निहित प्रावधानों का पालन के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए।

खाद्य विभाग की टीम के साथ राजस्व विभाग की टीम निरीक्षण करने पहुंची लेकिन दुकानदारों से अच्छे संबंध बुराई ना हो कारण राजस्व अमला दूरी बनाता हुआ दिखा कर वहीं से एक तरफ खाद्य विभाग की टीम कार्रवाई कर रही थी राजस्व विभाग से आए दल में आर आई और पटवारी जांच से दूरी बनाते दिखे।

ग्राम पामाखेड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर संपन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पामाखेड़ी में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। स्वच्छता, जन स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर आधारित शिविर में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर सात दिन तक शिविर दिनचर्या का पालन करते हुए विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की। एनएसएस के स्वयं सेवक प्रातः प्रभात फेरी करते हुए ष्उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहां जो तू सोवत है। जो सोवत है वो खोवत है, जो जागत है सो पावत है गाते हुए गांव का भ्रमण करते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लाल चंद्र राजपूत ने शिविर में विद्यार्थियों के साथ रात्रि विश्राम किया एवं सुबह प्रभात फेरी में हिस्सा लिया। शहर में विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक किया। नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया। पौधों में पानी दिया। जल संरक्षण से संबंधित दीवारों पर नारे लिखे गए।ग्रामीण बच्चों के साथ देशी खेलों का आयोजन किया। बौद्धिक चर्चा में प्रोफेसर एस आर तिवारी, भगवत सिंह पाल, संजय वर्मा, अभिषेक चैहान,संतोष द्विवेदी, शिवकुमार यादव, संघ प्रिय गौतम, निधि मसीह, दीपक सोलंकी,कल्पेश चैधरी, पूजा मिश्रा, जुगराज जाटव , वीरेंद्र सेन, नारायण दास साहू,शबाना परवीन,शिवचरण पंथी, श्यामलाल बिजोले, वर्षा पटेल ने सहभागिता की। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर महेश चंद्र परमार ने किया।

शिविर को सफल बनाने में प्रोफेसर भगवत सिंह पाल संजय वर्मा कल्पेश चैधरी के साथ स्वयं सेवकों में दलनायक संजीव जाटव, दल नायिका उमापाल यशवेंद्र, भोला कुशवाहा, निखिल जाटव, अभिषेक धाकड़, मनोज आंचल, काजल, अंजलि, प्रहलाद संध्या, नेहा, सचिन का विशेष सहयोग रहा। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर अनंत सक्सेना, राहुल सिंह परिहार एवं जिला संगठक डॉक्टर प्रवीण जग्गा ने कार्यक्रम अधिकारी एवं विद्यार्थियों को बधाई प्रेषित करते हुए शुभकामनाएं दी।

मेट्रो एंकर

समस्त उपखण्ड मजिस्ट्रेट, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारी आदेश का क्रियान्वयन करते हुए पालन करेगें

प्रतिबंध के बाद भी ट्रक व ट्रॉलियों से नगर से बाहर भेजा जा रहा भूसा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर के निर्देश के बाद भी भूसे का परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। भूसा व्यापारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में भूसा एकत्रित कर बड़े-बड़े ट्रकों में भरकर बाहर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह सब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नजरों के सामने हो रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सब मौन है।

सिरोंज नगर के आसपास भूसा व्यापारियों द्वारा लाखों टन भूसे का भंडारण किया जा रहा है। बिचौलियों के माध्यम से व्यापारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से भूसा खरीद कर रिहायशी इलाकों में भंडारण हो रहा है, ताकि आने वाले समय में ऊंचे दामों पर इसे बेचा जा सके। लेकिन स्थानीय प्रशासन के किसी भी नुमाइंदे द्वारा इस बात का निरीक्षण नहीं किया जाता कि भूसा भंडारण कहां, कैसे, कितना किया जा रहा है। वहां सुरक्षा और खासकर आग से बचाव के प्रबंध है या नहीं, बस्ती तो इसके नजदीक नहीं है। प्रशासन के निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं - ये ट्रक और ट्रॉलियां ओवरलोड लेकर चलते हैं जिससे दूसरे वाहनों को निकलने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है एवं आए दिन दुर्घटनाएं हो जाती हैं जिसमें जान चली जाती है वही ओवरलोड वाहनों तारों से भी टकराते हैं जो जान जख्म में डालकर चालकों द्वारा तारों को बिना खौफ के डंडे से ऊंचा कर निकाला जाता है तो कभी किसी की केवल लाइन तोड़कर चले जाते हैं।

शहर के जागरूक नागरिकों ने बताया कि नगर में भूसे का बड़े पैमाने पर भंडारण किया जा रहा है ताकि फैक्ट्री खोल कर भूसे का गिट्टा बनाकर बड़े शहरों में बेचा वही कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने गेहूं भूसा परिवहन पर प्रतिबंध, आदेश जारी हुआ जिसमें कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने ग्रीष्म ऋतु में हरे चारे घास की कमी को दृष्टिगत रखते हुए गोवंश के उपयोग एवं जिले में संचालित गौशालाओं में भूसे की आपूर्ति के लिए केवल गेहूं भूसा को जिले की सीमा से बाहर निर्यात या परिवहन किया जाना प्रतिबंधित किया गया है उक्त आदेश आगामी दो माह की अवधि के लिए प्रभावशील रहेगा। यह आदेश किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक के प्रस्ताव पर जारी किया गया है। उक्त आदेश मात्र गेहूं भूसा निर्यात को प्रतिबंधित किया गया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि जिले के कृषकों द्वारा फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों में आग लगाई जाकर नष्ट कर दिया जाता है। जिसके परिणामस्वरूप आगजनी की घटनाएं तो घटित होती ही है, पशु चारे की कमी भी निर्मित होती है, उक्त कारणों से जिले में नरवाई को जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध उपरांत फसल कटाई के अवशेषो (नरवाई) से (गोवंश) के उपयोग हेतु भूसा बनाया जाकर संधारित किया जाना आवश्यक है। वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ हो गई है, तथा जिले में जानवरो के खाने के लिए हरे घास की कमी हो जाएगी। जिले में फसल कटाई हेतु कम्बाईन हॉर्वेस्टर के साथ स्ट्रा रीपर के उपयोग यानि स्ट्रॉ मेनेजमेन्ट सिस्टम (एसएमएस) को भी अनिवार्य किया गया है, जिससे फसल अवशेषो (नरवाई) से भूसे का निर्माण हो सके।

पशुओं के आहार में आने वाले केवल गेहूं-भूसा को जिले की सीमा से बाहर निर्यात परिवहन किया जाना प्रतिबंधित किया गया है। गेहूं-भूसा का व्हाइट कोल के रूप में उद्योगो एवं ईट के भट्टो में जलाने के लिए तत्काल प्रतिबंधित किया जाता है। गेहूँ-भूसा को कोई भी कृषक ध् व्यापारी या व्यक्ति या निर्यातक संस्था किसी भी प्रकार के वाहन नाव, मोटर, ट्रक, बैलगाडी एवं रेलवे अथवा अन्य परिवहन साधन द्वारा जिले के बाहर बिना कार्यकारी मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के निर्यात, परिवहन नहीं करेंगे। जिले के समस्त उपखण्ड मजिस्ट्रेट, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारी आदेश का क्रियान्वयन करते हुए पालन सुनिश्चित करेगें। यह आदेश विदिशा जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में तत्काल रूप से प्रभावशील होगा। आदेश की उल्लंधन की दशा में धारा 188 तथा म. प्र. पशु चारा निर्यात नियंत्रण आदेश नियम-2000 एवं अन्य विधिक प्रावधानो के अतर्गत संबंधितो के विरूद्व कार्यवाही संपादित की जाएगी।

इनका कहना है

कलेक्टर द्वारा भूसा परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया है फिर भी भूसे का परिवहन हो रहा है। इस ओर अधिकारियों का ध्यान नहीं है। अगर इसी तरह से भूसे का परिवहन होता रहा तो आगामी समय में ग्रामीण क्षेत्रों में भूसा खत्म हो जाएगा और मवेशियों के भूखा मरने की नौबत आ सकती है।

***शोएब खान**, मुस्लिम महासभा जिला अध्यक्ष सिरोंज*

कलेक्टर साहब द्वारा भूसा परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अगर कोई भूसे का परिवहन करता पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में भी भूसा परिवहन होता है तो उसकी रिपोर्ट हमें दें, ताकि कार्रवाई की जाएगी।

***हर्षल चैधरी**, एसडीएम सिरोंज*

शाम ढलते ही बढ़ जाता है मच्छरों का प्रकोप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर के अंदर मच्छरों की तादाद इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोग मच्छरों से अपने आप को बचाने के लिए तरह-तरह के उपयोग कर रहे हैं लेकिन मच्छरों से नहीं मिल रही निजात लाइट जाने के बाद मच्छरों का आम नागरी पर टूट पड़ता झुण्ड लेकिन नगर पालिका परिषद की उदासीनता के चलते शहर में नहीं किया जा रहा मच्छर मार दवा का छिड़काव नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी मौन परिषद भी नहीं दे रहा इस और ध्यान आम जनता की बढ़ती जा रही मुसीबत मच्छरों के कारण लोगों को कभी-कभी करना पढ़ते हैं रज्जगहे अब देखना यह है कि कब तक मोन बना रहेगा नगर पालिका परिषद !नगर पालिका सीएमओ का तो कोई पता नहीं है नगर पालिका अध्यक्ष से जब इस बारे में हमने बात करना चाहि तो उनसे नहीं हो पाया संपर्क !

Life&Style

बच्चों को न दे कम उम्र में मोबाइल, रहें सावधान

आजकल मोबाइल हर किसी के पास बड़ी ही आसानी से मिल जाएगा. यही नहीं बड़े तो ठीक छोटों के पास भी मोबाइल देखने को मिलेगा. लेकिन क्या आप जानते हैं कम उम्र में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना कितना खतरनाक हो सकता है. बच्चों को मोबाइल फोन दिलाने की एक उम्र होती है. लेकिन कई माता पिता कम उम्र में ही अपने बच्चों को मोबाइल दिला देते हैं. इससे कई सारे नुकसान हो सकते हैं.वहीं कुछ माता पिता ऐसे हैं जिनके मन में हमेशा एक सवाल रहता है, कि बच्चों को किस उम्र में मोबाइल देना सही होता है. अगर आपके मन में भी यह सवाल है तो यह खबर आपके लिए है।

इस उम्र में दे बच्चों को फोन

आजकल अक्सर माता-पिता 11 से 12 साल की उम्र में ही बच्चों को मोबाइल दे देते हैं. आप भी इस उम्र में अपने बच्चों को मोबाइल दे रहे हैं तो सिर्फ उसके काम की चीज को ही अनलॉक रखें बाकी सारी एप और वेब सर्च, एप्लीकेशन लॉक कर दें. साथ ही उन्हें मोबाइल फोन के नुकसान के बारे में बताते रहे. ध्यान रहे बच्चा जब मोबाइल का इस्तेमाल कर लें तब एक बार माता पिता ने पूरे मोबाइल को चेक कर लेना चाहिए। मोबाइल बच्चों को तभी दें जब उसे पढ़ाई या अपने किसी दोस्त से बात करनी है. ज्यादा समय तक बच्चों को अगर फोन दिया जाए तो उन्हें लत लग सकती है साथ ही कुछ शारीरिक बीमारियां होने का भी खतरा बढ़ जाता है, जैसे आंखों को नुकसान, नींद पूरी नहीं होना, सिर दर्द, थकान आदि. यही नहीं मोबाइल फोन बच्चों की पढ़ाई में भी बाधा डाल सकता है. अगर एक बार बच्चा गेम और सोशल मीडिया से कनेक्ट हो जाता है, तो उसके लिए पढ़ाई करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में उसके व्यवहार पर माता-पिता को नजर रखना चाहिए और कोशिश करें कि मोबाइल की टाइमिंग कम हो।

मोबाइल की लत

छोटी उम्र में ही बच्चों को मोबाइल की लत लग जाती है. लेकिन यह लत सही नहीं होती है. जानकारी के मुताबिक पेरेंट्स अपने बच्चों को 5, 6 साल की उम्र से ही फोन देना शुरू कर देते हैं. ऐसा अक्सर तब होता है जब बच्चा रोता है और पेरेंट्स उसे उलझाना चाहते हैं. लेकिन बच्चों के लिए यह एक गलत आदत साबित हो सकती है. बच्चों को फोन तभी दे जब आपका बच्चा हर तरह से स्मार्टफोन यूज करने के लिए तैयार हो या जब उसे पढ़ाई से संबंधित कोई काम हो।

आईपीएल के 17वें सीजन में आज डबल हेडर मैच खेला जाएगा

अहमदाबाद में 64 फीसदी मैच जीता 'जीटी', 200 पार स्कोर भी बना चुके

अहमदाबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन के पहले मुकाबले में दोपहर 3.30 बजे से गुजरात टाइटंस (जीटी) का सामना अहमदाबाद में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस दोपहर 3 बजे होगा। वहीं दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगी।

दोनों टीमों का सीजन में यह दूसरा मैच होगा

दोनों टीमों का इस सीजन यह तीसरा मैच होगा। 2022 की विनर गुजरात ने पांच बार की चैंपियन मुंबई को हराकर अभियान की शुरुआत की। लेकिन, टीम को दूसरे मैच में चेन्नई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर 2016 की चैंपियन हैदराबाद अपने पहले मैच में कोलकाता से हार गई। लेकिन दूसरे मैच में कमबैक किया और मुंबई के खिलाफ 277 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि टीम 31 रन से ही मुकाबला जीत सकी।

हैदराबाद अपने दोनों शुरुआती मैच में 200+ स्कोर बना चुका है।

हेड टु हेड में गुजरात आगे

जीटी और एसआरएच के बीच आईपीएल में 3 मैच खेले गए। 2 में गुजरात और 1 में हैदराबाद को जीत मिली। दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद में एक मुकाबला खेला गया, उसमें गुजरात को 34 रन से जीत मिली थी। होम ग्राउंड पर गुजरात ने भी 11 में से 7 मैच जीते हैं। अहमदाबाद की पिच बैटिंग फ्रेंडली मानी जाती है। स्टेडियम की तेज आउटफील्ड भी बल्लेबाजों को मदद करती है।

इंडिविजुअल हाईएस्ट स्कोर गिल के नाम

गुजरात में कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन, डेविड मिलर, अजमतुल्लाह ओमरजई, विजय शंकर जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में राशिद खान और नूर अहमद जैसे क्वालिटी स्पिनर्स हैं, जबकि पेस अटैक की जिम्मेदारी अनुभवी उमेश यादव, मोहित शर्मा, और स्पेंसर जॉनसन संभाल रहे हैं। गिल ने अहमदाबाद में खेली 13 आईपीएल पारियों में 700 रन बनाए हैं। यहां का इंडिविजुअल हाईएस्ट स्कोर (129 रन) उन्हीं के नाम है। साई सुदर्शन इस सीजन दो मैच में 82 रन बनाकर टॉप स्कोरर हैं। टीम के टॉप विकेट टेकर की लिस्ट में स्पेंसर जॉनसन का नाम सबसे आगे हैं उन्होंने 3 विकेट लिए हैं।

क्लासन ने केवल 2 ही मैच में लगा दिए 15 छक्के

स्क्रा॥ टीम में हेनरिक क्लासन, मयंक अग्रवाल, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा और ऐडन मार्करम जैसे नाम हैं। जबकि गेंदबाजी की कमान भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट के हाथ में है। क्लासन ने इस सीजन दोनों मैचों में शानदार पारियां खेलीं और 15 छक्के लगा दिए। वह टीम के लिए इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

आईपीएल में कैरेबियन बैटर का दबदबा

आंद्रे ने 1000 रन व 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात लॉयंस के लिए खेले गए। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आंद्रे रसेल ने अपना 100वां आईपीएल विकेट लिया. इसके साथ ही आंद्रे रसेल ने आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की खास फेहरिस्त में जगह बना ली. क्या आप जानते हैं इस फेहरिस्त में कैरेबियन खिलाड़ियों का दबदबा है? आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की खास फेहरिस्त में वेस्टइंडीज के 3 खिलाड़ी शामिल हैं. इस फेहरिस्त में पहला नाम है वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डीजे ब्रॉवो का. डीजे ब्रॉवो आईपीएल से रिटायर हो चुके हैं. लेकिन इस दिग्गज के नाम 183 विकेट के अलावा 1650 रन दर्ज है. ब्रॉवो चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात के लिए भी खेल चुके।

अक्षर पटेल और आंद्रे रसेल का नाम शामिल

भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल के नाम आईपीएल मैचों में कम से कम 100 विकेट और 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है. अब तक अक्षर पटेल ने आईपीएल मैचों में 113 विकेट के अलावा 1454 रन बनाए हैं. अक्षर पटेल मुंबई इंडियंस के अलावा दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स का हिस्सा रह चुके हैं. वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर सुनील नरेन ने 165 विकेट के अलावा 1000 रन बनाने का कारनामा किया है. बहरहाल, अब इस फेहरिस्त में आंद्रे रसेल का नाम जुड़ गया है।

मियामी ओपन: जेनिक खिताब से महज 1 कदम दूर

सिनर दूसरी बार फाइनल में दिमित्रोव से खिताबी भिड़ंत आज

मियामी, एजेंसी

मियामी ओपन के खिताब के लिए दिग्गज तैयार हैं। पुरुष ओपन में जहां इटली के जेनिक सिनर और बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव में खिताबी भिड़ंत रविवार को होगी वहीं महिलाओं में कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना व गैरवरीय अमरीकी खिलाड़ी डी. कोलिंस में टक्कर होगी। फाइनल में रिबाकिना के सामने गैरवरीय कोलिंस-कजाक की एलिना रिबाकिना ने बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 0-6, 7-6 से हराया और लगातार दूसरी बार मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में चौथी वरीय रिबाकिना का सामना गैरवरीय अमरीकी खिलाड़ी डेनिएल कोलिंस से होगा, जिन्होंने सेमीफाइनल में रूस की एलेक्जेंड्रोवा को हराया था। इटली के जेनिक सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में विश्व रैंकिंग में चौथे

नंबर पर काबिज रूस के डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया और चौथी बार मास्टर्स 1000 के फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर पर काबिज सिनर की यह मेदवेदेव पर लगातार पांचवीं जीत है। वहीं जापान के कीता नकाजिमा अपने पहले डीपी वर्ल्ड टूर खिताब की ओर देख रहे हैं, उन्होंने लगातार दूसरे 65 के कार्ड के साथ 14-अंडर स्कोर हासिल किया और हीरो इंडियन ओपन में एकमात्र बढ़त हासिल की। नाकाजिमा पूरे खेल के दौरान बड़े ही आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आए।

मेट्रो एंकर | 20 टीमों के बीच 9 जगहों पर 55 मुकाबले खेले जाएंगे

9 जून को होगा भारत-पाकिस्तान का मैच

मुंबई, एजेंसी

एक जून से शुरू होने वाले क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के महासंग्राम के लिए टिकटों के बिक्री शुरू हो चुकी है. 20 टीमों के बीच 9 जगहों पर कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे. जिसमें से 37 मैचों के लिए पहले से ही टिकटों की बिक्री शुरू हो चुकी है. 13 मुकाबलों के लिए टिकटों की बिक्री शुरू हो चुकी है। भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला 5 जूम को आयरलैंड के साथ खेलना है लेकिन दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें 9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले पर लगी होंगी. टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान खेले जाने वाले सभी मुकाबलों के लिए सबसे सस्ती टिकट 6 डॉलर में उपलब्ध होगी. हालांकि 6 डॉलर वाले टिकट सिर्फ वेस्टइंडीज की सरजमीं पर खेले जाने वाले मुकाबले के लिए मिलेंगी. अमेरिका में जो

मुकाबले खेले जाएंगे, उनके लिए सबसे सस्ती टिकट 35 अमेरिकी डॉलर में मिलेगी. इस बार बैलट के जरिए टिकटों के लिए आवेदन मांगे गए हैं और अब तक 3 मिलियन एप्लिकेशन आ चुके हैं. 1 फरवरी से फैंस टिकटों के लिए आवेदन कर सकते थे और अब 13 मुकाबलों के लिए वे 19 मार्च से टिकटों के लिए आवेदन कर पाएंगे। भारत और पाकिस्तान की टीमें 9 जून को न्यूयोर्क में आमने सामने होंगी। जिसको देखने के लिए कम से कम फैंस को 35 डॉलर खर्च करने होंगे. टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का यह सबसे बड़ा आयोजिन होने जा रहा है, जहां 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं और 55 मुकाबले खेले जाएंगे. पहली बार आईसीसी इवेंट का मुकाबला अमेरिका में आयोजित किया जा रहा है, जहां कुल 16 मैच खेले जाएंगे. बाकी सभी मैच वेस्टइंडीज की मेजबानी में होंगे. 26 जून को त्रिनदाद और 27 जून का गुयाना में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल्स मुकाबले खेले जाएंगे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सारा अली खान बोलीं...

देश को एक क्रांति की और जरूरत

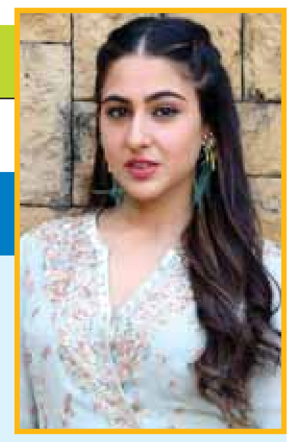

फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सारा अली खान को लगता है कि देश में एक क्रांति की जरूरत फिर से हैं। अपनी दादी यानी शर्मिला टैगोर को पहली स्टार अभिनेत्री मानने वाली सारा अली खान को उनकी फिल्में खूब पसंद आती हैं। राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की फिल्म 'आराधना' उनकी फेवरिट फिल्म है। सारा अली खान ने बहुत ज्यादा देशभक्ति फिल्में नहीं देखी हैं और उनकी सबसे पसंदीदा देशभक्ति फिल्म 'रंग दे बसंती' है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि फिल्म के जरिए मैने यह देखा, सीखा और समझा कि जो आपको उड़ने के लिए जो पंख चाहिए, वे आपके पास ही हैं, उन्हें बाहर ढूंढने की जरूरत नहीं है। एक महिला होने के नाते मैं इस बात को समझती हूं। हमें ये याद रखना होगा कि हम अपनी खुद की पहचान और आवाज हैं। अपने फैसले लेने का अधिकार एक महिला को खुद ही होना चाहिए है। देश भक्ति ही हमें शक्ति देती है। हमारा जो अस्तित्व है, वह हमारे देश से ही है। देश ही हमारा पूरा परिवार होता है। हमारे देश से हमारी अपनी पहचान है। हमें सुरक्षा भी मिलती है। लेकिन, मेरे मन में इस बात का मलाल है कि हमारे देश में सिर्फ पुरुष स्वतंत्रता सेनानियों की बात होती है। महिलाओं की बात कोई नहीं करता। फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' इसी कमी को पूरा करती है। मान्यताओं के बारे में सोचने और उठ खड़े होने के बारे में है। और, हमें यह इशारा करती है कि शायद आज भी क्रांति की जरूरत है।

दादी को भी पसंद आती हैं मेरी फिल्में

मेरी दादी को 'जरा हटके जरा बचके' और 'मर्डर मुबारक' बहुत अच्छी लगी। उनको यह अच्छा लगता है कि मैं अलग अलग चीजें करती हूं। वह खुद एक्टर हैं, उन्हें पता है कि जब आप अलग -अलग किरदार निभाते हैं तो बहुत मजा आता है।

फिल्मों के लिए फीस नहीं लेते थे पृथ्वीराज

सलमान खान, शाहरुख खान से लेकर साउथ के सुपरस्टार प्रभास और विजय देवरेकोंडा तक कई ऐसे एक्टर्स हैं जो अपनी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. लेकिन हिट फिल्में देने वाले इन एक्टर्स की फीस भी करोड़ों में है. इनमें से कई स्टार्स हर फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपए की फीस वसूलते हैं. लेकिन एक एक्टर ऐसा है जो हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में तो देता है लेकि अपनी फिल्मों के लिए कोई खास फीस नहीं लेता है. ये एक्टर साउथ फिल्म इंडस्ट्री का सुपरस्टार है और इसने अपने नाम पहली मलायलम हिट फिल्म देने का रिकॉर्ड भी बनाया है. कई बड़े बजट वाली फिल्मों में काम कर चुका एक्टर अपनी फिल्म की सक्सेस के हिसाब से 3 से 4 करोड़ की फीस लेता है. लेकिन अगर फिल्म ना चले तो वो कोई फीस नहीं लेता. बिना फीस काम करने वाला ये एक्टर इन दिनों 'आदुजीविथम- द गोट लाइफ' में बतौर लीड एक्टर दिखाई दे रहे हैं. जी हां, ये कोई और नहीं बल्कि साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमार हैं, जो एक एक्टर होने के साथ-साथ एक डायरेक्टर भी हैं. पृथ्वीराज ने

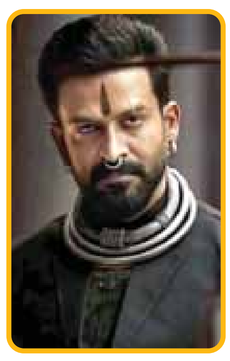

के डायरेक्शन में बनी उनकी पहली फिल्म लूसिफेर थी. 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म 125 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी, जो साल 2023 तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म थी. 2023 में आई फिल्म 2018 ने 175.50 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ लूसिफेर का रिकॉर्ड तोड़ा था.

'सालार' के लिए ली थी सिर्फ इतनी रकम

पृथ्वीराज ने पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म 'सालार पार्ट वन- सीजफायर' में अहम किरदार निभाया था. यह फिल्म तेलुगु इंडस्ट्रू की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक था जिसका बजट 270 करोड़ था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार किया था. 'सालार' के लिए प्रभास ने 100 करोड़ रुपए बतौर फीस वसूले थे. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि पृथ्वीराज सुकुमारन ने इस फिल्म के लिए महज 3-4 करोड़ रुपए फीस चार्ज की थी।

पचास की उम्र में प्रेग्नेंट हुई मलाइका अरोड़ा!

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेसस में से एक मलाइका अरोड़ा की उम्र 50 साल है। इसके बावजूद हॉटनेस और फिटनेस के मामले में वो युवा एक्ट्रेस को टक्कर दे रही हैं। मलाइका कभी अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते के लिए तो कभी जिम सेशन के वीडियो की वजह से हमेशा चर्चा में रहती हैं। लेकिन इस बार मलाइका अरोड़ा की सुर्खियां में रहने की वजह कुछ और है। हाल ही में मलाइका अरोड़ा रनवे रेडी हेयर के लिए रैंप वॉक के लिए नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिल्वर सेक्विन रूच्ड ड्रेस पहनी थी। इस फंक्शन की मलाइका अरोड़ा की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इन फोटो

को देखकर ही उनके फैंस ने बता दिया कि मलाइका अरोड़ा प्रेग्नेंट हैं। इन फोटोज में उनका बेबी बंप दिख रहा है। हालांकि, कुछ यूजर्स ने कहा कि उनका पेट फूला भी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर लोग ये अनुमान लगा रहे हैं कि मलाइका अरोड़ा प्रेग्नेंट हो सकती हैं। मलाइका अरोड़ा की शादी सलमान खान के भाई अरबाज खान के साथ हुई थी। लेकिन बाद में 2017 में वो अलग हो गए। पिछले साल अरबाज खान ने शूरा खान से दूसरी शादी कर ली, जबकि मलाइका अरोड़ा ने अभी तक दूसरी शादी नहीं की। लेकिन तलाक के बाद से ही वो अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। ऐसे में मलाइका अरोड़ा प्रेग्नेंट हैं या नहीं ये एक बड़ा सवाल है।

'नो एंट्री 2' पर बोनी से गुस्सा हुए अनिल कपूर, खुद किया खुलासा, बोले-

'वो मुझसे इतना नाराज है कि बात भी नहीं कर रहा'

अनिल कपूर अपने बड़े भाई और निर्माता बोनी कपूर से नाराज हैं. दरअसल वे बोनी कपूर से 'नो एंट्री' सीक्वल की कास्टिंग को लेकर खफा हो गए हैं. यहां तक कि दोनों भाइयों के बीच बातचीत भी बंद है. ये हम नहीं कह रहे हैं इसका खुलासा खुद बोनी कपूर ने किया है. बोनी कपूर के मुताबिक अनिल सीक्वल में भी अपनी एंट्री चाह रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य से, 'कोई जगह नहीं' थी. बता दें कि ओरिजनल फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, ईशा देओल, लारा दत्ता, बिपाशा बसु और सेलिना जेटली ने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीत लिया था. वहीं'नो एंट्री 2' की कास्टिंग की खबर ऑनलाइन लीक होने के बाद से अनिल अपने भाई नाराज हैं. 'नो एंट्री' के सीक्वल में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर के नए लीड होने की खबर है. वहीं बोनी कपूर ने जूम को दिए एक इंटरव्यू में

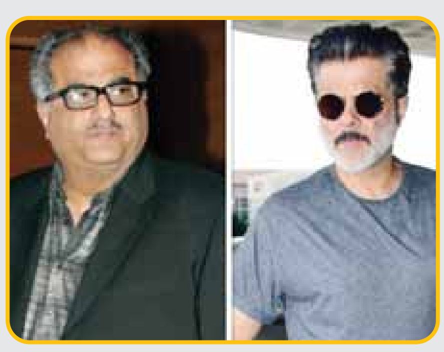

खुलासा किया, इससे पहले कि मैं अपने भाई अनिल को नो एंट्री सीक्वल और इसमें शामिल कलाकारों के बारे में बता पाता, वह गुस्सा हो गया क्योंकि खबर पहले ही लीक हो चुकी थी मुझे पता है कि वह नो एंट्री सीक्वल का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन जगह नहीं थी. मैं ये बताना चाहा कि मैंने जो किया वह क्यों किया.

'नो एंट्री' के सीक्वल में क्यों बोनी ने नहीं किया अनिल को कास्ट

वहीं बोनी कपूर ने ये भी बताया कि आखिर उन्होंने 'नो एंट्री' के सीक्वल में वरुण, अर्जुन और दिलजीत को कास्ट क्यों किया? बोनी ने खुलासा किया, वरुण और अर्जुन बहुत अच्छे दोस्त हैं. उनकी केमिस्ट्री कहानी में सामने आ सकती है और दिलजीत आज बड़ा नाम बन चुके हैं उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

संक्षिप्त समाचार

गौतम नगर में सूने मकान से जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर स्थित एक जनरेटर मैकेनिक के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय मैकेनिक परिवार समेत दूसरे घर पर थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं।

फाइल फोटो

पुलिस के मुताबिक मो. उमर (39) नगर निगम आफिस के सामने चौकसे नगर में रहते हैं और जनरेटर रिपेयरिंग का काम करते हैं। मो. उमर ने तीन मंजिला इस मकान को करीब डेढ़ साल पहले ही खरीदा है। मकान के ग्राउंड फ्लोर और सबसे ऊपर वाले हिस्से में उनका सामान रखा रहता है, जबकि बीच वाले हिस्से में किराएदार रहते हैं। उमर ने पुलिस को बताया कि बीती 11 मार्च को वह मकान पर पहुंचे थे, उसके बाद न्यू कबाड़खाना स्थित आवास पर चले गए। 27 मार्च की रात करीब एक बजे दोबारा घर पहुंचे तो उनके मकान का ताला टूटा मिला और अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी हो चुका था। इधर अशोका गार्डन थानांतर्गत कैलाश नगर सेमरा में रहने वाले राजपाल लोधी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और 9 हजार रुपये नकदी समेत करीब तीस हजार का सामान चोरी कर ले गए। इसी प्रकार कोलार रोड थानांतर्गत राजहर्ष कालोनी में रहने वाले अमित सिंह के घर से चोर एक स्कूटर और कार की चाबी चोरी कर ले गए। पुलिस सभी मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है।

रहवासी इलाके में अवैध रूप से रखा 1040 लीटर डीजल जब्त, नाबालिग समेत तीन पर कार्रवाई

भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने रहवासी इलाके में अवैध रूप से रखा 1040 लीटर डीजल और एक स्कूटर जब्त की है। इस मामले में नाबालिग समेत तीन लोगों के खिलाफ आवाश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक रंगपंचमी के अवसर पर पुलिस टीम इलाके का भ्रमण कर रही थी, तभी सूचना मिली कि इंद्रा कालोनी के पास एक लड़का स्कूटर पर प्लास्टिक की कुप्पी में डीजल भरकर बेचने की फिराक में खड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़के से पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। केवल इतना बताया कि उसके परिवार वाले डीजल खरीदने और बेचने का काम करते हैं। उसके बाद पुलिस ने टीम ने बाग उमराव दूल्हा स्थित एक मकान पर दबिश दी तो वहां पर 22 अलग-अलग कुप्पियां में भरकर रखा कुल 1040 लीटर डीजल मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। मौके पर मिले राजिक उर्फ सलमान और बाबू खान से डीजल खरीदने और बेचने का वैध लायसेंस मांगा तो वह नहीं दे पाए। इस पर पुलिस ने नाबालिग समेत तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। मौके से डीजल के अलावा स्कूटर भी जब्त की गई है।

घर के सामने गाली-गलौज करने से मना किया तो महिला पर ब्लेड से हमला

विवाद में बीच बचाव करने पहुंचे एक अन्य युवक समेत तीन लोगों को ब्लेड लगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित बीजासेन नगर में घर के सामने खड़े होकर गालीगलौज कर रहे युवकों को समझाइश देना महिला को महंगा पड़ गया। इस बात से नाराज युवक ने अपने साथ मिलकर महिला से मारपीट करते हुए उस पर ब्लैड से हमला कर दिया। विवाद होता देख एक युवक बीच बचाव करने पहुंचा तो उस पर भी बदमाशों ने ब्लैड से हमला किया है। इतना ही नहीं तीन तीन अन्य लोगों को भी बीच बचाव में ब्लैड लगी है। घटना कल शाम करीब छह बजे के आसपास की है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

फाइल फोटो

एसआई गौरव पांडे ने बताया कि अनवारी खान पति अंसारुल खान (35) बीजासेन नगर, कमला नगर में रहती है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि कल शाम वह घर पर थी। इस दौरान करीब छह बजे के आसपास मोहल्ले में रहने वाला अक्कू उर्फ संस्कार शर्मा और अक्षय सिंह उनके घर के सामने पहुंचा था। दोनों घर के सामने गालीगलौज कर रहे थे। अनवारी ने उन्हें घर के सामने गालीगलौज करने से मना किया तो वह भड़क गए और अनवारी से गालीगलौज करने लगे।

इस दौरान आरोपियों ने उस पर ब्लैड से हमला कर दिया। ब्लैड अनवारी के हाथ में लगी है। पत्नी के साथ मारपीट की भनक लगते ही अंदर से पति अंसारुल पहुंचे थे। इसी बीच मोहल्ले में रहने वाला अशोक जाटव पहुंचा और उसने बीचबचाव करना चाहा। इस पर आरोपियों ने उस पर भी ब्लैड से हमला किया है। इस चाकूबाजी में पांच लोग घायल हुए है।

पत्रकार की बाइक को इनोवा गाड़ी से मारी टक्कर, की मारपीट, पुलिस ने दर्ज की काउंटर एफआईआर

मंत्री पुत्र का कारनामा

रेड सिग्नल पर खड़ी पत्रकार की बाइक के पीछे हार्न बजाने को लेकर हुआ था विवाद..

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित माखनलाल कॉलेज तिराहा पर सिग्नल रेड होने पर खड़े पत्रकार से राज्य स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बेटे अभिज्ञान पटेल से मारपीट की खासी चर्चा है।

मारपीट से पहले मंत्री के बेटे ने अपनी इनोवा कार से पत्रकार की बाइक को भी टक्कर मारी थी। पत्रकार जान बचाकर रेस्टोरेंट में पहुंचे तो मंत्री का बेटा अपने साथी के साथ उसके पीछे रेस्टोरेंट में घुस गया और वहां भी हंगामा किया।

रेस्टोरेंट के संचालक ने हंगामा करने से रोका तो वह भड़क गया और अपने दोस्त के साथ मिलकर रेस्टोरेंट के संचालक के साथ भी मारपीट की है। विवाद जब थाने पहुंचा तो मंत्री भी थाने पहुंच गए थे। मंत्री ने चार पुलिसकर्मियों पर अभद्रता और बेटे से मारपीट के आरोप लगाए हैं। लिहाजा चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड भी कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार सलैया निवासी विवेक सिंह पत्रकार हैं वे मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का कवरेज करने के बाद कल शाम अपने घर लौट रहे थे। माखन लाल तिराह शाहपुरा में सिग्नल रेड होने पर उन्होंने अपनी बाइक रोकी। इसी दौरान उनकी बाइक के पीछे इनोवा कार आकर रुकी। इनोवा के ड्राइवर ने हार्न बजाया इस पर विवेक ने इशारा करते हुए सिग्नल दिखा दिया। सिग्नल दिखाने से इनोवा कार चला रहा मंत्री का बेटा भड़क गया और उसने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक को टक्कर मारने का विवेक ने विरोध किया तो मंत्री के बेटे अभिज्ञान पटेल इनोवा गाड़ी से उतरा और

मंत्री ने लगाए अभद्रता के आरोप चार पुलिस कर्मियों को देर रात किया सस्पेंड

फाइल फोटो

अपने साथियों के साथ मिलकर विवेक से मारपीट करने लगा। विवेक जान बचाकर रेस्टोरेंट में घुसे थे। इसी दौरान अभिज्ञान और उसके साथी भी रेस्टोरेंट में घुस गए और विवेक के से मारपीट करने लगे। रेस्टोरेंट के संचालक डेनिस मार्टिन ने रेस्टोरेंट में विवाद न करने की बात कही तो वह डेनिस पर भड़क गए और उनसे भी मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट में डेनिस के सिर में गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने डेनिस की पत्नी अलिशा सक्सेना की शिकायत पर अभिज्ञान और उसके साथी पर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का मामला दर्ज किया है। इसी प्रकार अभिज्ञान के साथी प्रशांत द्विवेदी की शिकायत पर अम्मा बाबूजी रेस्टोरेंट संचालक डेनिस और उसके साथियों पर मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है।

औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन के ढाबे में युवक ने फांसी लगाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोक गार्डन थाना क्षेत्र स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बबलू ढाबा में एक युवक ने फांसी लगा ली। युवक मूलत-पन्ना का रहने वाला था और फिलहाल ढाबा में ही रहकर काम कर रहा था। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार अंगद सिंह पिता स्वगीर्य शिव सिंह (26) अमानगंज, पन्ना का रहने वाला था और यहां औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन में शमशाद के ढाबे में काम करता था। वह ढाबा में ही रहता?था। कल शनिवार सुबह वह ढाबा खोलने पहुंचे तो ढाबा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी ढाबा नहीं खुला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से ढाबा खोला तो अंदर फांसी के फंदे पर अंगद की लाश मिली। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है।

लॉक डाउन में पिता ने लगाई थी फांसी : पुलिस का कहना है कि अंगद के परिजनों के बारे में ढाबा संचालक को भी ठीक से जानकारी नहीं है। पुलिस को पूछताछ में यह भी पता चला कि अंगद के पिता ने लाक डाउन के समय फांसी लगा ली थी। पुलिस की एक टीम अंगद के परिजन का पता लगाने अमानगंज भेजी गई है।

जिलाबदर बदमाश के खिलाफ रासुका की कार्रवाई

भोपाल,दोपहर मेट्रो। ऐशबाग पुलिस ने जिलाबदर बदमाश के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की है। दरअसल बदमाश आमिर उर्फ गुठली (22) जनता क्वार्टर ऐशबाग का रहने वाला है। दिसंबर महीने में उसे भोपाल और उससे लगे विदिशा, सीहोर, राजगढ़, रायसेन, और नर्मदापुरम जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर जाने के आदेश दिए गए थे। आरोपी जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर इलाके में घूम रहा था, जिसे क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया। बाद में उसे ऐशबाग पुलिस के हवाले किया गया, जहां पुलिस ने बदमाश के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की है।

मेट्रो एंकर **गुनगा कांडः चार पर दर्ज हो चुका है दहेज हत्या केस**

मासूम बच्चियों को फंदे पर लटकाने वाली मां के खिलाफ हत्या का केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा इलाके में अपनी तीन मासूम बच्चियों को फंदे पर लटकाने के बाद खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली मां के खिलाफ पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना में मां और दो बेटियों की मौत हो गई थी, जबकि एक बेटी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया था। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मृतका के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम रोड़िया थाना गुनगा निवासी संगीता यादव ने 25-26 मार्च की रात पांच साल की बेटी आराध्या, ढाई साल की बेटी मान्या और डेढ़ साल की बेटी कृष्टि को फांसी के फंदे पर लटकाने के बाद खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजनों की नजर पड़ी तो मान्या की सांस चलती देख उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी जान बच गई। फिलहाल उसका इलाज जारी है। बाकी संगीता और अन्य दोनों बेटियों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में मृतका के पति रंजीत उर्फ रजत यादव समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया था। अब मृतका संगीता के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

फाइल फोटो

सर्वेंट क्वार्टर में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित द्रोणाचल टाप में सर्वेंट क्वार्टर में एक महिला ने कल शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ज्योति अहिरवार पति श्रवण अहिरवार (31) शासकीय स्कूल के पीछे गांधी नगर में रहती थी। वह पति और बच्चों के साथ द्रोणाचल टाप में रहने वाले एक अधिकारी के मकान की सर्वेंट क्वार्टर में रह रही थी। पति कल शाम काम पर?था, तभी ज्योति ने फांसी लगा ली। पुलिस का कहना है कि अभी पति समेत अन्य परिजन से पूछताछ नहीं की जा सकी है। परिजन के विस्तृत बयान होने के बाद ही आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022